हिन्दी सांध्य दैनिक

# प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 268, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 23 मार्च, 2023 दिन गुरुवार गाजीपुर/वाराणसी

## महिला सशक्तिकरण रैली को सीएम योगी ने दिखाई हरी झंडी

### मां के द्वारे मुख्यमंत्रीः शक्तिपीठ देवी पाटन में की मां की आराधना

बलरामपुर। शक्तिपीठ देवी पाटन मंदिर में मां की आराधना कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला सशक्तिकरण रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना कर आधी आबादी की सुरक्षा का संकल्प लिया। नवरात्र और देवी पाटन का महात्म भी बताया। कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नव संवत्सर प्रारंभ होता है। सीएम ने कहा कि नवरात्र नारी शक्ति में जोश और उत्साह भरने का पर्व है। इस अवसर पर नारी के सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के उद्देश्य से महिला सशक्तिकरण रैली की शुरूआत की जा रही है, जो बलरामपुर से चलकर ललितपुर तक जाएगी, तथा दूसरी रैली शक्तिपीठ विंध्यवासिनी मंदिर से चलकर गौतमबुद्ध नगर तक जाएगी। इस रैली का समापन 29 मार्च को होगा। प्रत्येक दिन स्कूटी पर महिला सिपाही और अधिकारी 80 से 120 किमी तक यात्रा करेंगी। प्रत्येक जिले में नारी की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के मुद्दे पर कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को जागरूक करते हुए रैली आगे बढ़ेगी। कहा कि वर्ष 2020 में मिशन शक्ति की शुरूआत भी बलरामपुर से किया था। तब भी मैं बलरामपुर आया था और नवरात्र के प्रथम दिन बलरामपुर से इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया था। मुझे प्रसन्नता है कि मिशन शक्ति कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार ने जो चलाया वह एक मिसाल बनी। इस कार्यक्रम को कई राज्यों में भी मान्यता मिली। कहा कि यह शक्तिपीठ मां सती से जुड़ा हुआ है, जो दक्ष प्रजापति के यज्ञ विध्वंस के दौरान उनके शव को कंधे पर रखकर तीनों लोकों के स्वामी भगवान शंकर के आक्रोश को देख, भगवान विष्णु ने अपने सुदर्शन चक्र से मां के शरीर के टुकड़े कर दिए थे। यहां पर देवी मां का बांया कंधा वस्त्र सहित गिरा था जो शक्तिपीठ कहलाया। शक्तिपीठ नारी शक्ति के स्वावलंबन का पीठ है। आदिशक्ति की पूजा नारी के सम्मान को प्रदर्शित करता है। रैली रवाना करने के साथ ही मुख्यमंत्री अपने काफिले के साथ भवनियापुर में स्थित हेलीपैड हेलीकाप्टर से लखनऊ रवाना हो गए। इस मौके पर तुलसीपुर विधायक कैलाशनाथ शुक्ल, सदर विधायक पल्टूराम, उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, मंडलायुक्त एमके अग्रवाल, डीआइजी एपी सिंह, जिलाधिकारी डा. महेंद्र कुमार, एसपी केशव कुमार मौजूद रहे।

**सीएम ने देवी मां की उतारी आरती**– मेला की समीक्षा करने दो दिवसीय दौरे पर देवी पाटन मंदिर आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह देवी मां की पूजा अर्चना की। गर्भगृह में दुर्गा सप्तशती पाठ कर आरती उतारी। इसके बाद गोशाला में गायों को हरा चारा और गुड खिलाकर दुलार किया। मंदिर में मुंडन कराएं बैठे बच्चे को पास बुलाकर चाकलेट खिलाकर आशीर्वाद दिया।

## सपा का साथ देने वालों को प्रताड़ित कर रही सरकार : अखिलेश

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यूपी की भाजपा सरकार सपा का साथ देने वालों को प्रताड़ित कर रही है। आजम खां का परिवार इसलिए तकलीफ में है क्योंकि वो समाजवादी हैं। मुख्यमंत्री योगी बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान को नहीं मानते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था पर वो पूरा नहीं हुआ। नौजवानों को नौकरी नहीं दी। झूठ बोलने वालों से कोई उम्मीद नहीं की जा सकती है। सरकार पर्यावरण और वृक्षारोपण को लेकर झूठ बोल रहे है। उन्होंने सरकार से मांग की है कि बारिश से किसानों को हुए नुकसान की भरपाई की जाए। अमेठी के आरिफ ने सारस से मित्रता की। उसकी सेवा की। वह चोटिल था। सारस अब छीन लिया गया है क्योंकि मैं बधाई देने चला गया। क्या यही लोकतंत्र है? सरकार सारस छीन रही है तो मोर को दाना खिलाने वाले से मोर छीन लिया जाए।

## चंद्रयान 3 और आदित्य एल1 संभवतः 2023 के मध्य में किए जाएंगे लॉन्च - इसरो प्रमुख

अहमदाबाद। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने बुधवार को कहा कि चंद्रयान-3, भारत का तीसरा चंद्र मिशन और पहला सौर मिशन आदित्य एल1 का प्रक्षेपण संभवतः 2023 के मध्य तक होगा। बता दें कि वह यहां भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला में आयोजित चौथे भारतीय ग्रह विज्ञान सम्मेलन में "अंतरिक्ष और ग्रहों की खोज के लिए भारतीय क्षमता" पर उद्घाटन भाषण दे रहे थे। सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 क्राफ्ट पूरी तरह तैयार है। यह पूरी तरह से एकीकृत है। बेशक, कुछ सुधार कार्य किए जा रहे हैं और हम बहुत सारे सिमुलेशन और परीक्षणों आदि के माध्यम से मिशन में बहुत अधिक विश्वास पैदा कर रहे हैं और संभवतः इसका लॉन्च इस वर्ष के मध्य तक हो सकता है। उन्होंने कहा कि आदित्य-एल1, भारत का पहला सौर मिशन एक बहुत ही अनूठी सौर अवलोकन क्षमता होने जा रहा है, जिसके लिए उपकरण पहले ही वितरित किए जा चुके हैं और इसरो उन्हें उपग्रह में एकीकृत करने की प्रक्रिया में है। सोमनाथ ने कहा कि मैं भी इसके (आदित्य-एल1) लॉन्च होने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं, संभवतः इस साल के मध्य तक, और मुझे यकीन है कि हम इस मिशन को बड़ी सफलता दिलाएंगे। इसरो के अनुसार, चंद्रयान -3 चंद्रयान -2 का अनुवर्ती मिशन है, जो चंद्र सतह पर सुरक्षित लैंडिंग और घूमने में एंड-टू-एंड क्षमता प्रदर्शित करता है। इसमें लैंडर और रोवर कॉनफि गरेशन शामिल हैं। चंद्रयान -3 मिशन पर बोलते हुए, सोमनाथ ने कहा कि इसकी संरचना चंद्रयान -2 के समान होगी, जिसमें ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर होगा। बेशक, ऑर्बिटर में वे सभी पेलोड नहीं हैं जो चंद्रयान-2 में हैं। इसमें थोड़ा सा ही पेलोड होगा। लेकिन प्राथमिक उद्देश्य लैंडर को चंद्रमा की कक्षा में ले जाकर लैंड कराना है। उन्होंने कहा कि चंद्रयान-3 का प्राथमिक उद्देश्य सटीक लैंडिंग होना है। उसके लिए आज बहुत सारे काम किए जा रहे हैं, जिसमें नए उपकरणों का निर्माण, बेहतर एल्गोरिदम का निर्माण, विफलता के तरीकों का ध्यान रखना आदि शामिल हैं। सोमनाथ ने कहा कि मिशन के इन पहलुओं को वर्तमान में मजबूत किया जा रहा है, वैज्ञानिक उद्देश्य कमोबेश पिछले चंद्र मिशनों के समान ही हैं।

## विधायक इरफान सोलंकी के करीबी हिस्ट्रीशीटर शौकत पहलवान की 30 करोड़ की संपत्ति जब्त

कानपुर। कानपुर में बुधवार को सपा विधायक इरफान सोलंकी के करीबी हिस्ट्रीशीटर शौकत पहलवान की 30 करोड़ की संपत्ति आज जब्त की गई। कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी पुलिस फोर्स तैनात रहा। मुनादी के बाद कार्रवाई की गई। विधायक इरफान और उनके परिवार की कुछ बेनामी संपत्ति सील करने के बाद पुलिस एक बार फिर से गैंगस्टर एक्ट में आरोपी उनके गुर्गे हिस्ट्रीशीटर शौकत पहलवान की ग्वालटोली स्थित संपत्ति को जब्ती की। पुलिस अब तक कानपुर, गाजियाबाद और नोएडा में इरफान व उसके गैंग की तकरीबन 50 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त कर चुकी है। पुलिस ने सपा विधायक इरफान सोलंकी को गैंग लीडर बनाते हुए रिजवान सोलंकी, मोहम्मद शरीफ, इसराइल आटेवाला, शौकत पहलवान के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट में रिपोर्ट दर्ज की थी। इसके बाद इस मामले में अन्य तीन आरोपी हाजी अज्जन, मन्नू रहमान और मुर्सलीन उर्फ भोलू का नाम गैंगस्टर एक्ट में शामिल कर लिया गया था।

## देश में कोरोना के नए मामले एक बार फिर से हजार के पार

नई दिल्ली। भारत में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,134 नए मामले आने के बाद देश में अभी तक संक्रमित हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,46,98,118 हो गई है। वहीं उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 7,026 पर पहुंच गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात और महाराष्ट्र में संक्रमण से एक-एक मरीज की मौत के बाद देश में मृतक संख्या बढ़कर 5,30,813 हो गई। वहीं संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनःमिलान करते हुए केरल ने वैश्विक महामारी से जान गंवाने वाले मरीजों की सूची में एक नाम और जोड़ा है। अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक भारत में संक्रमण की दैनिक दर 1.09 प्रतिशत और साप्ताहिक दर 0.98 प्रतिशत है। देश में अभी 7,026 लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.02 प्रतिशत है। आंकड़ों के अनुसार मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.79 प्रतिशत है। अभी तक कुल 4,41,60,279 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं, जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक भारत में राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड-19 रोधी टीकों की 220.65 करोड़ खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। चार मई 2021 को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी।

## डिप्टी सीएम पर शिवपाल का निशानाः बोले- एक छोटा विभाग भी नहीं संभाल पा रहे, दूसरे का पूरा महकमा वेंटीलेटर पर

लखनऊ। अयोध्या पहुंचे सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने भाजपा और प्रदेश के दोनों डिप्टी सीएम पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग केवल धोखा देते हैं। काम कुछ भी नहीं करते। जनता को धोखा दे रहे हैं। ये लोग भगवान राम को धोखा दे रहे हैं। शिवपाल ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को बड़बोला बताते हुए कहा कि जब लोकनिर्माण विभाग उनके पास था तो उसमें घोर भ्रष्टाचार हुआ। अब उन्हें छोटा विभाग दे दिया गया है वो भी नहीं संभल रहा है। अपना चुनाव भी हार चुके हैं। दूसरे उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के बारे में शिवपाल ने कहा कि उनका तो पूरा स्वास्थ्य विभाग ही वेंटीलेटर पर है पर बोल रहे हैं कोआपरेटिव पर। कोआपरेटिव में इन लोगों ने क्या हालत कर दी है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में कोआपरेटिव में कभी भी खाद की कमी नहीं पड़ी। कभी किसानों के लिए पानी की कमी नहीं पड़ी। कभी बिजली के छापे किसानों पर नहीं पड़े। सपा ने किसानों के लिए फ्री पानी कर दिया था। सिंचाई मुफ्त कर दी थी पर अब किसान परेशान हैं।

## बिलकिस बानो के दुष्कर्म मामले में दोषियों को एससी से लगा झटका, समय से पहले रिहाई होने के खिलाफ होगी सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 2002 के गोधरा दंगों के दौरान बिल्किस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उसके परिवार के सदस्यों की हत्या करने वाले 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए एक बेंच गठित करने पर सहमत हो गया है। इस मामले को लेकर अगली सुनवाई 9 मई को तय की गई है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जेबी पारदीवाला की पीठ ने अपनी वकील शोभा गुप्ता के माध्यम से प्रतिनिधित्व करने वाली बानो को आश्वासन दिया कि नई पीठ का गठन किया जाएगा। गौरतलब है कि, इससे पहले बीते दिसंबर 2022 में नई बेंच बनाने की बार-बार अपील करने पर CJI बुरी तरह से भड़क गए थे। उन्होंने कहा था कि, मामले में जल्द सुनवाई नहीं होगी, आप परेशान न करें। बता दें कि, साल 2002 के गोधरा कांड के दौरान बिलकिस बानो के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया था। वहीं, उसके परिवार के लोगों की हत्या के दोषियों को बीते साल 15 अगस्त को समय से पहले ही रिहा कर दिया गया था। दरअसल, माफी नीति के तहत सभी आरोपियों को गुजरात सरकार ने रिहा कर दिया था। मामले के सभी आरोपी 15 साल जेल में रह चुके थे। इसके बाद सरकार ने एक समिति का गठन किया था। इस पैनल की जांच रिपोर्ट आने के बाद सभी दोषियों को बीते साल 15 अगस्त के दिन जेल से आजाद कर दिया था। वहीं पीड़िता बिल्कीस बानो ने कहा था कि उनके और उनके परिवार के 7 लोगों से जुड़े मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे 11 दोषियों की समय से पहले रिहाई के कारण उनका न्याय पर से भरोसा उठ गया है। इसके साथ ही बिल्कीस बानो ने गुजरात सरकार से इस फैसले को वापस लेने और बिना डर और शांति से जीवन जीने का उनका अधिकार लौटाने की अपील भी की थी।

## नोएडा के डाक्टर को बाबा करौली सरकार के आश्रम में पीटने का मामला, सबूत ढूंढने में जुटी पुलिस

कानपुर। बिधनू करौली गांव के मानव मंदिर लवकुश आश्रम में कर्मकांड की आड़ में बाबा संतोष भदौरिया का कारोबार चमक रहा है। धनवान बनने के लिए संतोष भदौरिया ने बीते 30 वर्षों में कमाई के कई रास्ते चुने लेकिन, असफलता हाथ लगी। बाबा ने सनातन धर्म के नाम पर पूर्वज मुक्ति और प्रेत बाधाओं से मुक्ति का व्यापार शुरू किया। जिसने बाबा को कम समय में आसमान तक पहुंचा दिया। बाबा ने करौली गांव में शाम, दाम, दंड, भेद की नीति से करोड़ों की जमीन अर्जित कर करौली सरकार के नाम का साम्राज्य स्थापित कर लिया है। दो हजार की पुरानी स्कूटर पर चलने वाले संतोष सिंह भदौरिया दो करोड़ की कार पर सवार होकर बाबा करौली सरकार बन गए। उन्नाव पवई गांव के संतोष सिंह भदौरिया करीब 1990 के दशक में भाकियू में राष्ट्रीय नेता बनने की इच्छा से शामिल हुए थे। उन्होंने किसानों की भीड़ लेकर कई धरने भी किए। यहां ज्यादा समय गुजरने के बाद भी जिला अध्यक्ष पद ही मिला। अधिवक्ताओं से भिड़ंत में पुलिस की लाठियां भी खानी पड़ी तो राजनीति से मोह भंग हुआ। आर्थिक स्थिति खराब होने से नौबस्ता केंद्रांचल कालोनी में रहकर समाज से खुद को अलग कर लिया। संतोष भदौरिया ने रेलबाजार की रेनू सिंह से पहला विवाह किया था। आर्थिक संकट आने पर बाबा ने उन्हें भाग्य दोषी बताकर छोड़ दिया था। बाद में ममता तिवारी से विवाह कर लिया। ममता का कल्याणपुर में एक प्लाट बाबा ने बेचकर जमीन का व्यापार शुरू किया। ममता के भाइयों ने विरोध किया तो एक टेंपो खरीदकर दे दिया था। शहर में रहे एक आइपीएस से बाबा के घरेलू संबंध हो गए थे। जिस पर बाबा विवादित जमीनें खरीदने और कब्जा करने लगा था। बाबा ने करौली गांव में भदौरिया परिवार की जमीन औने-पौने में खरीदी थी। धीरे धीरे बाबा ने यहां करीब सौ बीघा जमीन बना ली। जहां बाबा ने आयुर्वेदिक एवं प्राकृतिक चिकित्सा का अस्पताल बनाया। शहर में प्रचार के लिए सिविल लाइन पदम अपार्टमेंट में क्लीनिक खोला।

## अमेरिका के बाद अब भारत को भी बड़ा खतरा मानने लगा है चीन!

नई दिल्ली। चीन पहले से ही दुनिया का सबसे ताकतवर देश बनने की होड़ में लगा हुआ है। कुछ साल पहले तक तो ये रास्ता उसके लिए आसान था क्योंकि सिर्फ अमेरिका से ही उसे चुनौती मिलती थी लेकिन अब भारत से मिलने वाली चुनौती ने उसके इस राह में अड़ंगा लगा दिया है। गुआम मिलेट्री बेस पर अमेरिकी सैनिकों की तैनाती चीन के लिए ताइवान पर कब्जे का सबसे बड़ा रोड़ा है। उसी रोड़े को खत्म करने के लिए चीन लगातार अपने रॉकेट फोर्स की ताकत को बढ़ा रहा है।

उसी के तहत चीन ने साल 2016 में अपनी रॉकेट फोर्स में डांग फेंग को शामिल किया, जिसे नाम दिया गया गुआम किलर यानी की गुआम को आसानी से हिट कर सकता है। इससे साफ जाहिर होता है कि अमेरिका चीन के लिए कितनी बड़ी चुनौती है लेकिन अब जब इस गुआम किलर को डब्ल्यूटीसी कमॉड में अलग ब्रिगेड शामिल किया गया है तो ये साफ जाहिर होता है कि चीन अब भारत को भी बड़ा खतरा मानने लगा है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत को ध्यान में रखते हुए चीनी पीएलए ने वेस्टर्न थियेटर कमॉड में नया मिसाइल ब्रिगेड को स्थापित किया है। ये चीनी 64 मिसाइल बेस का हिस्सा है। इस ब्रिगेड में इंटरमीडिएट रेंज बेलॉस्टिक मिसाइल डीएफ-26 की तैनाती की गई है। इस मिसाइल की रेंज 4000 से 5000 किलोमीटर है। ये मिसाइल सिस्टम 10 पहिए वाली गाड़ी पर तैनात है, जिसे आसानी से जरूरी के हिसाब से मूव किया जा सकता है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन की इस ब्रिगेड की तैनाती भारत के अग्नि 5 के जवाब में की गई है। भारतीय अग्नि 5 की जद में बीजिंग सहित चीन के बडे शहर हैं। अगर पीएलए रॉकेट फोर्स की बात करें तो चीनी रॉकेट फोर्स के कुल 9 बेस हैं। नंबर के हिसाब से देखें तो 61 से 66 बेस ब्लॉस्टिक मिसाइल ऑप्रिशन के लिए 67-69 बेस सपोर्ट ऑप्रिशन के लिए हैं।

## अनियंत्रित वाहन ने सड़क किनारे खड़े चार को रौंदा, तीन की मौत, एक की हालत गंभीर

चांदा (सुलतानपुर)। स्थानीय कस्बे में कादीपुर रोड पर ईशीपुर गांव के पास बुधवार की सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां सड़क किनारे खड़े लोगों को कादीपुर की तरफ से चांदा जा रहा चार पहिया वाहन ने रौंद दिया। इससे दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति ने जिला अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं एक कंपनी का डिलेवरी ब्वॉय अभी भी जिला अस्पताल में जीवन और मौत से संघर्ष कर रहा है। कोतवाल श्रीनिवास पांडेय ने बताया कि चालक वाहन लेकर फरार हो गया।अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। बुधवार की सुबह ईशीपुर निवासी शदकुल निशा 40 वर्ष पत्नी बाबूल्लाह महरुल निशा 60 पत्नी रोशन अली व गोपालपुर निवासी झबबू यादव पुत्र सुख?ई सड़क किनारे खड़े होकर आपस में बातें कर रहे थे। इसी दौरान कादीपुर की तरफ से तेज गति से आ रहा एक चार पहिया वाहन सामने आ रहे बाइक सवार दीपक पाण्डेय को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सभी को रौंदते हुए निकल गया। जिससे घटनास्थल पर चीख पुकार मच गई। गांव के लोग जबतक पहुंचते चालक वाहन लेकर फरार हो गया था। परिजनों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया जहां चिकित्सक ने दोनों महिलाओं को मृत घोषित करते हुए घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान झब्बू की भी मौत हो गई। वहीं डिलेवरी ब्वॉय दीपक पांडे अभी भी जीवन मौत से संघर्ष कर रहे हैं।

## संपादकीय

### मनुष्य बनाम वन्यजीव

देश के अलग-अलग राज्यों के वन क्षेत्रों और उसके आसपास बसी इंसानी बस्तियों से तेंदुए या बाघ के हमले में लोगों के मारे जाने की खबरें अक्सर आती रहती हैं। आम लोगों के सामने अपने स्तर पर बचाव के उपाय करने से लेकर सरकार से सुरक्षात्मक और वैकल्पिक इंतजाम करने की फरियाद करने के अलावा और कोई चारा नहीं होता है। दूसरी ओर, वन्यजीवों के संरक्षण से जुड़े कई प्रश्न भी बेहद अहम हैं, जिनके चलते कई बार इस समस्या का कोई ठोस हल निकालना मुश्किल होता है। लेकिन बाघ या तेंदुए के इंसानी बस्तियों में आ जाने या उनके हमले की वजह से होने वाली मौतें लगातार चिंता का विषय बनती गई हैं। महाराष्ट्र में सोमवार को राज्य के वन मंत्री ने विधानसभा में बताया कि वहां चंद्रपुर जिले में अकेले पिछले साल बाघों और तेंदुओं के हमले में तिरपन लोगों की मौत हो गई। हालांकि इस दौरान अलग-अलग घटनाओं में चौदह बाघों के अलावा भालू और मोर सहित पचास से ज्यादा अन्य वन्यजीव भी मारे गए। जाहिर है, वन्यजीवों और मनुष्य के बीच जीवन की स्थितियों में बदलाव और टकराव के चलते अब ऐसे हालात पैदा होने लगे हैं कि नाहक जान जाने की घटनाओं की निरंतरता बढ़ने लगी है। दरअसल, वक्त के साथ बढ़ती आबादी या अन्य वजहों से जंगल के आसपास के गांवों में रिहाइशी इलाकों का विस्तार हुआ है। इससे वन क्षेत्रों का दायरा कम होता गया है और जंगली पशुओं के प्राकृतिक पयार्वास के क्षेत्र सिमटते गए हैं। इसका सीधा असर वन्यजीवों के जीवन पर पड़ता है और उसमें बाघ या तेंदुए जैसे पशुओं के लिए भोजन से लेकर अधिवास तक के मामले में असहज स्थितियां पैदा होती हैं। इसके अलावा, वनों में अवैध शिकार करने वालों की वजह से भी संरक्षित पशुओं के सामने संकट खड़ा होता है। पारिस्थितिकी और जैव विविधता की कसौटियों और अनिवार्यताओं को समझने वाले तमाम लोग यह जानते हैं कि एक ओर जहां मनुष्य का जीवन अनमोल है, वहीं पशुओं और खासतौर पर कुछ विलुप्तप्राय जीवों का संरक्षण प्राकृतिक संतुलन के लिए कितना जरूरी है। लेकिन इस मामले में सरकार से लेकर आम लोगों तक की लापरवाही के अलावा अवैध रूप से जानवरों का शिकार करने वाले गिरोहों की ओर से जंगल और उसके आसपास के इलाकों में ऐसे दबाव पैदा हो रहे हैं कि उसमें रहने वाले कई पशुओं के भीतर असुरक्षा की स्थिति में आक्रामक प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि वन्यजीव खुद ही अपने लिए सहज और प्राकृतिक पयार्वास की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस क्रम में उनका सामना इंसानी आबादी से होता है। बचाव की कोशिश में हुए संघर्ष की वजह से नाहक ही जान जाने के हालात पैदा होते हैं। कभी जंगली इलाकों का दायरा बड़ा था और इंसानी बस्तियों की भी सीमा थ। तब मनुष्य और पशु, दोनों को अपनी जीवन स्थितियों में एक दूसरे से बहुत बाधा नहीं आती थी। लेकिन बढ़ती आबादी के साथ कृषि भूमि का विस्तार, शहरीकरण और औद्योगीकरण में वृद्धि के मकसद से जंगलों की कटाई की वजह से वनक्षेत्र सिकुड़ते गए। इसकी वजह से बाघ, तेंदुआ और हाथी जैसे कुछ पशुओं के अक्सर इंसानी बस्तियों की ओर चले जाने और मनुष्यों पर हमले की घटनाएं बढ़ीं। जरूरत यह है कि जंगल क्षेत्रों के आसपास रहने वाली इंसानी आबादी को वन्यजीवों की प्रकृति और पारिस्थितिकी संतुलन में उनकी अनिवार्यता के बारे में जागरूक किया जाए और साथ ही इंसानों के जीवन के लिहाज से खतरनाक पशुओं के लिए सुरक्षित अभयारण्यों को और बेहतर बनाया जाए।

### है आया उपहार !

दिल्ली का है बजट ।
है आया उपहार ।।
जांच लें अब आप भी ।
कितना मददगार ।।
हुई है पूरी कोशिश ।
हों जाएं प्रसन्न ।।
मुफ्त वाला क्या पता ।
बढ़ा शायद अन्न ।।
महिला बूढ़े बच्चे ।
सबने है कुछ पाया ।।
हो रहा है दावा ।
ना कोई कर पाया ।।
खुशखबरी है आई ।
जाएं इसमें डूब ।।
ना चिंता ना फि क्र ।
हैं कहने क्या खूब ।।

–कृष्णेन्द्र राय

# गहलोत ने मुख्यमंत्री के रूप में अपनी चौथी पारी खेलने का पूरा बंदोबस्त कर लिया है

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ऐसे ही राजनीति का जादूगर नहीं कहा जाता है। उन्हें जब भी मौका मिलता है अपनी राजनीतिक जादूगरी के बल पर विरोधियों को चारों खाने चित्त कर देते हैं। विरोधी चाहे विपक्षी दलों के हों या उनकी खुद की पार्टी के हो। मौका मिलते ही वह किसी को नहीं बख्शते हैं। पिछले काफी समय से उन्हें अपनी ही पार्टी के अंदर तगड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इसके उपरांत भी उन्होंने हार नहीं मानी और एक-एक कर अपने सभी विरोधियों को राजनीतिक हाशिए पर पहुंचा दिया। अगले विधानसभा चुनाव में मात्र आठ महीने का समय बचा है। इसीलिए गहलोत राजनीति के मैदान में खुल कर खेल रहे हैं।

पिछले 30 वर्षों से राजस्थान में हर पांच साल बाद सरकार बदलने का मिथक चला आ रहा है। मगर मुख्यमंत्री गहलोत अगले विधानसभा चुनाव में इस मिथक को तोड़ कर फिर से कांग्रेस की सरकार बनाना चाहते हैं। इसीलिए उन्होंने अपना बजट पास करवाते समय राजस्थान में एक साथ 19 नए जिलों व बांसवाड़ा, पाली, सीकर तीन नए संभागों का गठन कर अपने 50 साल के राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा मास्टर स्ट्रोक चल दिया है। अभी राजस्थान में 33 जिले कार्यरत हैं। एक नवंबर 1956 को राजस्थान गठन के समय कुल 26 जिले थे। 15 अप्रैल 1982 को भरतपुर से अलग कर धौलपुर प्रदेश का 27वां जिला बना था। 10 अप्रैल 1991 को एक साथ 3 जिले कोटा से अलग होकर बारां, जयपुर से अलग होकर दौसा व उदयपुर से अलग होकर राजसमंद जिले का गठन हुआ था। 12 जुलाई 1994 को श्री गंगानगर से अलग होकर हनुमानगढ़ राजस्थान का 31वां जिला बना था। 19 जुलाई 1997 को सवाई माधोपुर से अलग होकर करौली को 32वां जिला बनाया गया था। 26 जनवरी 2008 को उदयपुर, चित्तौड़गढ़, बांसवाड़ा से अलग होकर प्रतापगढ़ 33वां जिला बना था। 2008 में प्रतापगढ़ के बाद से राज्य में कोई नया जिला नहीं बन पाया। वर्तमान में राजस्थान की आबादी 8 करोड़ से ज्यादा हो चुकी है। पिछले 40 सालों में प्रदेश की आबादी तो दोगुनी हो गई लेकिन जिले केवल सात ही बढ़े हैं। 1981 तक राजस्थान में 26 जिले थे तब राजस्थान की जनसंख्या करीब 3.6 करोड़ थी। आज के समय में आबादी 8 करोड़ से भी ज्यादा है, लेकिन जिले 33 ही बन पाए। आबादी की तरह जिलों की संख्या नहीं बढ़ी। राजस्थान में अंतिम जिला 15 वर्ष पूर्व प्रतापगढ़ बना था। उसके बाद से प्रदेश में लगातार नए जिले बनाने की मांग उठती रही थी। मगर राजनीतिक विरोध की संभावना के चलते किसी भी सरकार ने नए जिलों के गठन का जोखिम उठाना राजनीतिक दृष्टि से सही नहीं माना और नये जिलों का गठन टलता रहा। जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का पहला व आबादी के हिसाब से सातवा सबसे बड़ा प्रदेश है। जिलों की कमी के चलते प्रदेश में प्रशासनिक कार्यों के लिए लोगों को दूर-दूर भटकना पड़ता है। कई क्षेत्रों में तो जिला मुख्यालय 150 किलोमीटर की दूरी तक स्थित होने से आम जन को बहुत ही परेशानी उठानी पड़ती है। प्रदेश के

आमजन की परेशानियों को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक साथ 19 नये जिलों का गठन कर प्रदेश की जनता को एक बहुत बड़ी सौगात दी है। इसका लाभ कांग्रेस को आने वाले विधानसभा चुनाव में भी मिलना तय माना जा रहा है। देश में एक साथ सबसे अधिक जिलों के गठन का रिकॉर्ड भी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम हो गया है। अब तक किसी भी प्रदेश में एक साथ 19 जिलों का गठन नहीं हुआ है।

प्रदेश में बनाये गए नए जिलों में जयपुर जिले को तोड़ कर जयपुर उत्तर, जयपुर दक्षिण, दूदू और कोटपूतली जिला बनाया गया है। जोधपुर को तोड़कर जोधपुर पूर्व, जोधपुर पश्चिम और फलोदी में बांटा गया है। श्रीगंगानगर से अनूपगढ़, बाड़मेर से बालोतरा, अजमेर से ब्यावर और केकड़ी, भरतपुर से डीग, नागौर से डीडवाना-कुचामनसिटी, सवाई माधोपुर से गंगापुर सिटी, अलवर से खैरथल, सीकर से नीम का थाना, उदयपुर से सलूंबर, जालोर से सांचोर और भीलवाड़ा से शाहपुरा को काटकर नया जिला बनाया गया है। वहीं उदयपुर को काटकर बांसवाड़ा, जोधपुर को काट कर पाली व जयपुर को काट कर सीकर नए संभाग बनाए गए हैं। इन संभाग मुख्यालयों के तहत कौन-कौन से जिले काम करेंगे यह अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। नये संभागों के गठन में भी क्षेत्रीय संतुलन साधा गया है। शेखावाटी क्षेत्र से सीकर, मारवाड़ क्षेत्र से पाली और आदीवासी बहुल मेवाड़ क्षेत्र से बांसवाड़ा को नया संभाग बनाया गया है। नए जिलों के गठन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने राजनीतिक समर्थकों के साथ विरोधियों को भी साधा है। जहां कांग्रेस कमजोर है वहां भी नये जिलों की घोषणा की गई है। ब्यावर में लंबे समय से भाजपा के शंकर सिंह रावत जीत रहे हैं। भाजपा राज में ब्यावर जिला नहीं बन पाया। गहलोत ने ब्यावर को जिला बना दिया। जिसे आगे चुनाव में कांग्रेस भुनाएगी। पाली, जालोर और सिरोही में भी कांग्रेस बहुत कमजोर है। पाली को संभाग मुख्यालय बनाना और सांचैर को जिला बनाना भी गहलोत का उस क्षेत्र में प्रभाव बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है। फलोदी, बालोतरा को भी जिला बना कर गहलोत ने अपनी छवि को मजबूत किया है। बजट पास होने वाले दिन नए जिलों व नए संभागों की घोषणा से विपक्ष निरुत्तर हो गया है। विपक्ष के पास अभी इसकी कोई काट नहीं है। मुख्यमंत्री गहलोत ने महिलाओं-छात्राओं को आने वाले रक्षाबंधन पर 40 लाख स्मार्ट फोन देने की बड़ी घोषणा की है। गहलोत ने बजट के दिन उज्ज्वला से जुड़ी महिलाओं को 500 रुपए में सिलेंडर देने की घोषणा की थी। यह प्रदेश की महिला मतदाताओं को साधने की रणनीति है। महिलाओं को फोकस करते हुए गहलोत ने बजट में राजस्थान रोडवेज की साधारण श्रेणी की बसों में राजस्थान सीमा के भीतर महिलाओं का बस किराया आधा कर दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हमेशा नई लकीर खींचकर लक्ष्य हासिल करने में विश्वास रखते हैं। इसी को मद्देनजर रखते हुए इस बार का आम बजट पूरी तरह प्रदेश के आम जन की जन आकांक्षाओं को पूरा करने की दृष्टि से बनाया गया है। इसमें आम लोगों को बड़ी राहत दी गई है। चुनावी साल में सभी सरकारें लोक लुभावन बजट पेश करती हैं। इस बार बचत, राहत और बढ़त की थीम के साथ गहलोत द्वारा पेश बजट ने विपक्ष का मुंह बंद कर दिया है।

# समझनी होगी बेशकीमती पानी की महत्ता

जल एक ऐसा दुर्लभ प्राकृतिक संसाधन है, जो सिर्फ कृषि कार्यों के लिए ही नहीं बल्कि पृथ्वी पर जीवन के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि जल की कमी का संकट न केवल भारत बल्कि दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। सही मायने में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित ह्यपर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलनह्ल (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। दरअसल दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा और साफ पेयजल उपलब्ध न होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं।

बात यदि भारत के संदर्भ में करें तो हमारा देश पहली बार 2011 में जल की कमी वाले देशों की सूची में शामिल हुआ था और अब स्थिति ऐसी हो चुकी है कि महाराष्ट्र हो या राजस्थान, बिहार हो या झारखण्ड या फिर देश की राजधानी दिल्ली, प्रतिवर्ष विशेषकर गर्मी के मौसम में देश के विभिन्न हिस्सों में पानी को लेकर लोगों के बीच आपस में झगड़े-फसाद की खबरें सामने आती रही हैं। कुछ ही साल पहले शिमला जैसे पर्वतीय क्षेत्र में पानी की कमी को लेकर हाहाकार मचा था और उसके अगले साल चेन्नई में वैसी ही स्थिति देखी गई। ये मामले जल संकट गहराने की समस्या को लेकर हमारी आंखें खोलने के लिए पर्याप्त थे किन्तु फिर भी इससे निपटने के लिए सामुदायिक तौर पर कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। यही वजह है कि भारत में बहुत सारे शहर अब शिमला तथा चेन्नई जैसे हालातों से जूझने के कगार पर खड़े हैं।

15 अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री द्वारा देश के हर ग्रामीण क्षेत्र तक नलों के जरिये प्रत्येक घर में जल पहुंचाए जाने के लिए ह्यजल जीवन मिशनह्ल नामक अभियान की शुरूआत की गई थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस मिशन की शुरूआत से पहले देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 3.23 करोड़ परिवारों के पास ही नल कनैक्शन थे और इस योजना के तहत 2024 तक 19.22 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक पानी पहुंचाए जाने का लक्ष्य है। हालांकि घर-घर तक जल पहुंचाने का वास्तविक लाभ तभी होगा, जब नलों से जलापूर्ति भी सुचारू रूप से हो और यह केवल तभी संभव होगा, जब जलस्रोतों की बेहतर निगरानी व्यवस्था होने के साथ-साथ जल संरक्षण के लिए कारगर प्रयास नहीं किए जाएं।

पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। ह्यप्रदूषण मुक्त सांसेंह्ल पुस्तक में विस्तार से यह वर्णन किया गया है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पुस्तक के अनुसार पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। इससे स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है।

देश में जल संकट गहराते जाने की प्रमुख वजह है भूमिगत जल का निरन्तर घटता स्तर। एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय दुनिया भर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल होती जा रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं। पानी की समस्या एशिया में और खासतौर से भारत में तो बहुत गंभीर रूप धारण कर रही है। विश्वभर में पानी की कमी की समस्या तेजी से उभर रही है और यह भविष्य में बहुत खतरनाक रूप धारण कर सकती है। अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और अधिक बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। दुनियाभर में पानी की कमी के चलते विभिन्न देशों में और भारत जैसे देश में तो विभिन्न राज्यों में ही जल संधियों पर संकट के बादल मंडराते रहे हैं।

बहरहाल, पानी की महत्ता को हमें समय रहते समझना ही होगा। इस तथ्य से हर कोई परिचित है कि जल ही जीवन है और पानी के बिना धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन जब हम हर जगह पानी का दुरूपयोग होते देखते हैं तो बहुत अफसोस होता है। पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हमें समझ लेना होगा कि बारिश की एक-एक बूंद बेशकीमती है, जिसे सहेजना बहुत जरूरी है। अगर हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण करके उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

# सशक्त प्राचीन लोककला है कठपुलियों का संसार

कठपुतली विश्व के प्राचीनतम रंगमंच पर खेला जाने वाले मनोरंजक, शिक्षाप्रद एवं कला-संस्कृतिमूलक कार्यक्रम है। कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार की गुड्डे गुड़ियों, जोकर आदि पात्रों के रूप में बनाया जाता है और अनेक प्राचीन कथाओं को इसमें मंचित किया जाता है। लकड़ी अर्थात काष्ठ से इन पात्रों को निर्मित किये जाने के कारण अर्थात काष्ठ से बनी पुतली का नाम कठपुतली पड़ा। प्रत्येक वर्ष 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस भी मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य इस प्राचीन लोक कला को जन-जन तक पहुंचना तथा आने वाली पीढ़ी को इससे अवगत कराना है। पुतली कला कई कलाओं का मिश्रण है, जिसमें-लेखन, नाट्य कला, चित्रकला, वेशभूषा, मूर्तिकला, काष्ठकला, वस्त्र-निर्माण कला, रूप-सज्जा, संगीत, नृत्य आदि। भारत में यह कला प्राचीन समय से प्रचलित है, जिसमें पहले अमर सिंह राठौड़, पृथ्वीराज, हीर-रांझा, लैला-मजनूं, शीरी-फरहाद की कथाएँ ही कठपुतली खेल में दिखाई जाती थीं, लेकिन अब सामाजिक विषयों के साथ-साथ हास्य-व्यंग्य तथा ज्ञान संबंधी अन्य मनोरंजक कार्यक्रम भी दिखाए जाने लगे हैं। पुतलियों के निर्माण तथा उनके माध्यम से विचारों के संप्रेषण में जो आनंद मिलता है, वह बच्चों के व्यक्तित्व के चहुँमुखी विकास में सहायक तो होता ही है, लेकिन यह अनेक सामाजिक-सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक विषयों के सम्प्रेषण का भी प्रभावी माध्यम है। भारत में सभी प्रकार की पुतलियाँ पाई जाती हैं, यथा-धागा पुतली, छाया पुतली, छड़ पुतली, दस्ताना पुतली आदि।

कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में महाकवि पाणिनी के अष्टाध्याई ग्रंथ में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। इसके जन्म को लेकर कुछ पौराणिक मत इस प्रकार भी मिलते हैं कि भगवान शिवजी ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर माता पार्वती का मन बहला कर इस कला को प्रारंभ किया, इसी प्रकार उज्जैन नगरी के राजा विक्रमादित्य के सिंहासन में जड़ित 32 पुतलियों का उल्लेख सिंहासन बत्तीसी नामक कथा में भी मिलता है। कठपुतली दिवस पर दुनिया भर में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि इस कला को लुप्त होने से बचाया जा सके एवं इसके कलाकारों से जुड़ी समस्याओं के समाधान का वातावरण निर्मित हो सके। राजस्थान में कठपुतली कला का समृद्ध इतिहास है। कठपुतलियों को खेल माना जाता है जो कि मध्ययुग में भाट समुदाय से शुरू हुआ था। भाट समुदाय के लोग गांव-गांव जाकर कठपुतली का खेल दिखाते थे। पहले इसमें ज्यादातर राजाओं की वीरता व पराक्रम की कहानियां होती थीं। भाट समुदाय इसी खेली से अपनी आजीविका चलाता था। लोग खेल देखने के बाद उन्हें अपने घर से अनाज या कुछ धन

बदले में देते थे। कठपुतली कलाकार राजाओं की बहादुरी के किस्से बनाकर सबको दिखाते थे। अमर सिंह की कहानी में किस तरह से मुगल शासन में उनके साथ छल-कपट हुआ इस पर आधारित थी। इसी में अनाकरली नाम की कठपुतली भी है जिसका नृत्य काफी प्रसिद्ध था।

कठपुतलियों की देश और विदेश में लोकप्रियता और प्रसिद्धि दिलाने हेतु स्व. देवीलाल सामर ने बहुत काम किया। उन्होंने पारम्परिक खेलों के अलावा नवीन कथा कृतियों, नाटकों, कहानियों को कठपुतलियों के माध्यम से प्रस्तुत किया। उनके द्वारा स्थापित उदयपुर का भारतीय लोक कला मण्डल आज भी परम्परागत और नवीन कठपुतलियां तथा उनके समाज शास्त्रीय अध्ययन पर काफी काम कर रहा है। पुतलियां चाहे पुरातन हों अथवा नवीन, सैद्धान्तिक दृष्टि से एक ही नियम में बंधी हैं, और किन्हीं वास्तविक प्राणियों की नकल नहीं हो सकती। न्यूनतम अंग भंगिमाओं से अधिकतम भंगिमाओं का भ्रम उत्पन्न करना पारम्परिक एवं आधुनिक पुतलियों का परम धर्म है। चित्रकला की तरह भारतीय पुतलियां अनुकृति मूलकता से हटकर आभासिक रही है। आन्ध्र, राजस्थान एवं उड़ीसा की पुतलियां इसी क्रम में आती हैं। राजस्थान के पारम्परिक पुतलीकार अमरसिंह राठौर या राणा प्रताप के खेल से आगे नहीं बढ़ना चाहते। उड़ीसा के पुतलीकार गोपीकृष्ण के कथानक को नहीं छोडते। आन्ध्र के छाया कठपुतलीकार रामायण एवं महाभारत के ही खेल करते हैं। यही कारण है कि यह परम्परा अब मृतप्रायः सी हो चुकी है। लेकिन पुतली कला के विषय अब प्रमुख रूप से शिक्षा, मनोरंजन, सामाजिक विसंगतियों आदि से सम्बन्धित होते हैं। वसीला नामक कठपुतली नाटक ने भारत व सोवियत समाज को नजदीक लाने में मदद की।

चीन, जापान, मलेशिया, इन्डोनेशिया, बर्मा आदि देशों में कठपुतलियों का विवरण वहां के प्राचीन साहित्य में मिलता है। पुतलियां अपने विकास के समय से ही मानवीय नाटक से जुड़ गयी। विश्व के पुतली विशेषज्ञ इस बात पर एक मत हैं कि मानवीय नाटक के रंगमंचीय अवतरण से पूर्व ही पुतलियां विकास पर थीं। पुतलियां मूल रूप मनुष्य की धार्मिक भावनाओं को ही विकसित करती रहीं। यही कारण है कि पुतलियां प्रकृति से जुड़ गयी और धार्मिक व पारम्परिक प्रसंगों को पुतलियों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाने लगा। पुतली नाट्य लोक शैली का ही एक नाटक था जो लोक नाट्यों के रूप से विकसित हुआ। पुरातन शैली में प्रस्तुत करने वाले अधिसंख्य पात्र आज भी मुखौटा लगाते हैं। अफ्रीका, जावा, बाली, श्रीलंका, बर्मा में ऐसे नाट्य आज भी बहुत प्रचलित हैं। भारत में भी यही स्थिति है। मेवाड का गवरी, दक्षिण का यक्ष नाट्य आदि में मुखौटों का बड़ा महत्व है। दक्षिण भारत के प्रायः सभी लोक नाट्यों की अंग भंगिमाएं, वेशभूषा आदि पुतलियों की तरह ही हैं।

यूरोपीय देशों में पुतली परम्परा 300 वर्ष की मानी गयी है। भारत में यह आदि मानव से जुड़ी है। सांस्कृतिक कार्यों में पुतली का प्रयोग और प्रतीकों का महत्व सर्वविदित है। यूनान, मिस्र आदि देशों में पुरातन समाधियों की खुदाई में अनेक ऐसे पुतले मिलें हैं जो मृतात्माओं की शांति के लिए गाड़े जाते हैं। भारत में भी इसके प्रमाण उपलब्ध हैं कि पुतलियों से ही नाटकों की उत्पत्ति हुई है। पुराणों में कहीं कहीं पुतलियों का उल्लेख मिलता है। रामायण, महाभारत, पंच तंत्र आदि में भी इनका उल्लेख है। इन ग्रन्थों में पुतलियों से सन्देशवाहक का काम लिया जाता है। महाभारत में वृहन्नला द्वारा पुतलियां सिखलाने का उल्लेख है। इसी प्रकार चमड़े, कागज और कपड़े की पुतलियों का भी वर्णन है। सातवीं शताब्दी में नीलकंठ के भाष्य मे छाया पुतलियों का वर्णन है। कथासरित सागर में एक दस्तकार का उल्लेख है जो बच्चों के मनोंरंजन के लिए पुतलियां बनाता है। आज भी राजस्थान के पुतली कलाकार नट भाट, राव और भांडों की तरह भांभी, बलाई एवं रेबारी जाति मे पाये जाते हैं। जयपुर, उदयपुर व पश्चिमी राजस्थान में ये जातियां पाई जाती हैं। जयपुर में सैकडों परिवार कठ पुतलियां बनाते हैं, बेचते है और नाट्यों का प्रदर्शन करते हैं। इसी प्रकार पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात में भी भाट व नट जातियां कठपुतलियां के खेल करती हैं। राजस्थान के भवाई, भोपों, मंगलिये, काबडिये, खरगडे, तेजोर आदि भी पुतलियों का खेल दिखाते हैं। जयपुर के कठपुतली बनाने वालों ने अपनी एक कालोनी भी बनायी है, जहां पर कठपुतलियों के निर्माण, रंगाई, पुताई आदि का काम होता है। यहां से कठपुतलियां दुकानों, एम्पोरियमों तथा विदेशों को भेजी जाती है।

# हड़हा व्यापार मंडल द्वारा धूमधाम से मनाया गया होली मिलन गुलाल लगाकर लोगों ने एक दूसरे को दी बधाई

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। हड़हा व्यापार मंडल द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन हाटकेश्वर महादेव मंदिर के समीप रखा गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु एवं विशिष्ट अतिथि स्नातक निर्वाचन एमएलसी आशुतोष सिन्हा एवं काशी व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष राकेश जैन रहे थे` इस मौके पर सभी अतिथियों ने नवनियुक्त हड़हा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र देते हुए होली की शुभकामनाएं देकर गुलाल लगाकर सबका अभिनंदन किया कार्यक्रम का संचालन कर रहे हड़हा व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष मनोज यादव सहित हड़हा व्यापार मण्डल के समस्त पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि दयाशंकर मिश्र दयालु राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार उत्तर प्रदेश सरकार व आशुतोष सिन्हा(एम.एल.सी.) को स्मृति चिन्ह व अंग वस्त्र पहना कर अभिनंदन किया इस मौके पर दयाशंकर मिश्र दयालु गुरु ने व्यापारियों के साथ कदम से कदम और कंधे से कंधा मिलाकर हर दुख सुख में खड़ा होने का वादा किया`इस कार्यक्रम की अध्यक्षता हड़हा व्यापार मंडल के नवनियुक्त अध्यक्ष अनिल गुप्ता व धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री श्याम जी यादव व वरिष्ठ उपाध्यक्ष पप्पू गुप्ता द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन मनोज यादव उपाध्यक्ष हड़हा व्यापार मंडल द्वारा किया गया` इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से पप्पू गुप्ता,गोगा भाई,गोपाल मौर्या, रत्नेश्वर चतुर्वेदी,रमेश केशरी, राजेन्द्र जायसवाल, संजय वर्मा,संतोष मौर्या, विवेक कुमार यादव (एड)मनीष यादव (एड), श्याम जी यादव(एड)रवि यादव कल्लू, दिनेश यादव,दीपक गुप्ता (एड), रायसाहब निगम राकेश यादव, राज किशोर चौहान,शिव कुमार इत्यादि लोग उपस्थित थे।

## बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की जागरूकता के लिए हुए विभिन्न खेल

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नेहरू स्टेडियम गाजीपुर में बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना के अन्तर्गत अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गाजीपुर की अध्यक्षता में हर आयु वर्ग की महिला तथा बालिकाओं द्वारा कबड्डी, खोखो, बालीबाल एवं दौड़ का प्रतियोगता समपन्न हुआ जिसमें अपर जिलाधिकारी द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया तथा उनका उत्साहवर्धन किया गया। सभी महिला खिलाड़ियों को महिला कल्याण विभाग द्वारा टी-शर्ट एवं कैप वितरित किया गया तथा खेल में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले महिला/बालिकाओं को शिल्ड/प्रशस्ति पत्र दिया गया। कार्याक्रम में संजय कुमार सोनी जिला प्रोबेशन अधिकारी नरेन्द्र विश्वकर्मा पिछडा वर्ग कल्याण अधिकारी, श्री राम नगीना यादव समाज कल्याण अधिकारी एवं महिला शक्ति केन्द्र के कर्मचारी उपस्थित रहे।

## बिशुनीपुर ओकडेनगंज पुलिस चौकी में शांति समिति की बैठक संपन्न

बलिया। उत्तर प्रदेश सरकार की गाइडलाइन के निदेर्शा अनुसार नगर के ओकडेनगंज पुलिस चौकी मे प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार सिंह के देखरेख में शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। जिसमें प्रभारी निरीक्षक ने आने वाले पर्व नवरात्र एवं रमजान को देखते हुए बैठक में उपस्थित दोनों समुदाय के लोगों से अपील किया कि इस पर्व में आप लोगों की सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आने वाले पर्व में शांति और सौहार्द बनाए रखने की जरूरत है। प्रभारी निरीक्षक ने जनपद के नगर वासियों से भी शांति पूर्वक अपना अपना पर्व मनाने की अपील की। उन्होंने कहा की कोई नया परंपरा नहीं होना चाहिए जो पिछली त्यौहार बीते शांति पूर्वक उसी तरह यह दोनों त्यौहार बीते लेकिन सहयोग जरूरी है इस बैठक में मुख्य रूप से रजनीकांत सिंह, मंजय सिंह,सौरभ अग्रवाल, प्रधान अनिल सिंह, सतीश कुमार गुप्ता,सभासद विनोद सिंह,हाजी

अफसर सभासद शकील अहमद, असगर अली पत्रकार,हसन खान पत्रकार,शमशाद कुरैशी,मिर्जा मिज्न , नेता जमाल आलम,के अलावा शिवपुर दियर चौकी इंचार्ज ,सिविल लाइन चौकी इंचार्ज,जापलीन गंज चौकी इंचार्ज,फल मंडी चौकी इंचार्ज, के अलावा शांति समिति के दर्जनों सदस्यगण उपस्थित रहे।

# बासंतिक नवरात्रारम्भ पूजा को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

बिल्थरारोड (बलिया)। बासंतिक नवरात्रारम्भ में मां दुर्गा की विधि विधान से पूजन अर्चन को लेकर स्थानीय पुलिस चैकी परिसर में मंगलवार को शांति सुरक्षा समिति की एक आवश्यक बैठक एसडीएम अनवर राशिद सिद्दीकी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। मां दुर्गे की नवरात्र पूजा आगामी 22 मार्च से 9 दिनों तक विधि विधान से चलेगा। कितने भक्त 9 दिनों तक विना अन्न जल के ब्रत का पालन करते हैं। 22 मार्च से ग्रम सोनाडीह में मां परमेसरी व भगेसरी मंदिर, बिल्थरारोड नगर के मानस मंदिर रेलवे चैराहा, काली माता दुर्गा मंदिर सहित नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में मां देवी के दर्शन पूजन का कार्य शुरू हो जाता है। ब्रतधारी भक्त मां के मंदिरों में नारीयल, प्रसाद, पूजन सामग्री आदि के साथ वैदिक मंत्राच्चार के साथ पूजा पाठ पूर्ण करते हैं। इस अवधि में पुलिस सुरक्षा के लिए उभांव थाने के प्रभारी निरीक्षक राजीव मिश्र ने महिला पुलिस संग पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने की जानकारी दी। अन्य मंदिरों पर भी पुलिस की सुरक्षा ब्यवस्था देने का भरोसा

दिया। एसडीएम फारुकी ने नगर पंचायत के प्रशासक की कुर्सी सम्भाल रहे ब्रजेश कुमार गुप्ता को पेय जल, साफ-सफाई की मुकम्मल ब्यवस्था किये जाने का आदेश दिया। समिति के सदस्य दुर्गा प्रसाद मधु लाला व प्रशान्त कुमार मन्टू संग अनेक सदस्यों ने सीयर-सोनाडीह राज मार्ग का जानलेवा करार देते हुए आगामी मेला के मद्दे नजर भी मार्ग को चलने योग्य बनवाने का जनहित में अनुरोध किया। एसडीएम फारुकी ने सम्बन्धित अधिकारियों को इस कार्य के लिए सूचित करने का भरोसा दिया। इस बैठक में दुर्गा प्रसाद मधु लाला, प्रशांत कुमार जायसवाल मंटू, रविशंकर सिंह ह्यह्यपिक्कूह्यह्य, सुनील कुमार जायसवाल ह्यह्यटिंकूह्यह्य, प्रवीण नारायण गुप्ता, अशोक कुमार मधुर, धर्मेन्द्र सोनी, अवधेश यादव, प्रमोद सिंह, सतीश गुप्ता, परवेज हमजा, सोहराब शेख, मिथिलेश कुमार, राम मनोहर गांधी, लाल चन्द मौर्य, हबीबुल्लाह, राजू जायसवाल, आशीष जायसवाल, संज्जन आर्य, पप्पू जायसवाल आदि लांग मौजूद रहे।

# वक्ताओं के उद्गार : दुश्मनी पर दोस्ती की जीत ही होली मिलन समारोह का मुख्य अंश

**अखिल भारतीय साहू समाज बेल्थरा रोड ने आयोजित किया होली मिलन समारोह, अबीर गुलाल लगाकर दी एक दूसरे को होली मिलन की बधाई, समारोह में मौजूद चार पत्रकार भी हुए सम्मानित**

बिल्थरारोड (बलिया)। अखिल भारतीय साहू समाज बेल्थरा रोड के तत्वाधान में बिल्थरारोड नगर के साहू मैरेज हाल में होली मिलन समारोह का आयोजन सोमवार की शाम किया गया। जिसके मुख्य अतिथि साहू समाज के वरिष्ठ संरक्षक रमाशंकर साहू (नेता जी) बनाये गये थे। बक्ताओं ने होली मिलन समारोह के आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दुश्मनी पर दोस्ती की जीत ही होली मिलन समारोह का मुख्य अंश है। इसके माध्यम से आपसी सम्बन्धों को प्रगाढ़ करने, आपसी मनमुटाव को देर कर एक साथ उठने बैठने का सिलसिला कायम कर समाज के अन्दर एक मजबूत एक जुटता कायम करने का संदेश देते हैं। समारोह की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर पूजा अर्चन तथा मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद प्रारम्भ किया गया। समारोह के अंत में फूलों की होली खेली गयी। साहू समाज के सभी सदस्यों को अबीर गुलाल लगाकर होली मिलन की बधाई दी गयी। इस अवसर पर मौजूद 4 की संख्या में मौजूद पत्रकारों को

माला पहनाकर उन्हें ऊनी साल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डीजे पर सांस्कृतिक प्रोग्राम का आयोजन आयोजित किया गया था। अंत में सभी ने आयोजित भोज में अनेक ब्यंजनों का लुत्फ भी उठाया। समारोह में समाज के अध्यक्ष बैजनाथ प्रसाद साहू ने समारोह की सफलता पर सभी की उपसिथति व सहयोग के प्रति आभार प्रकट किया। इस मौके पर अखिल भारतीय साहू समाज के अच्छेलाल साहू, शमशेर प्रसाद साहू, डी0एन0 शर्मा साहू, राम मनोहर गांधी, कांता प्रसाद साहू, गुलाब चंद साहू, परशुराम जी साहू, ओमप्रकाश साहू, विजेन्द्र प्रसाद साहू, डा० सुरेन्द्र प्रसाद साहू, सुनील साहू, राधेश्याम साहू, सुनील प्रसाद साहू, सुधाकर प्रसाद साहू, धर्मनाथ साहू, अनिल कुमार साहू (एडवोकेट), विंध्याचल प्रसाद साहू, अनिल कुमार साहू, जयनाथ साहू, कन्हैया साहू, उपेंद्र कुमार साहू (उर्फ मिंटू), भगवान प्रसाद साहू, पन्ना लाल साहू, कन्हैया प्रसाद साहू, बेचन साहू, कमलेश फौजी, शशिकान्त साहू आदि लोग मौजूद रहे। अध्यक्षता राजाराम साहू वरिष्ठ संरक्षक संचालन अशोक कुमार साहू ने किया।

## बेमौसम बरसात से गेहूं, सरसों, मसूर को भारी क्षति, किसानों की बढ़ी चिंता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिले के भांवरकोल क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से मौसम के बदले मिजाज के बाद बादलों की आवाजाही के बीच क्षेत्र में मंगलवार की रात्रि समय तेज हवा के साथ चमक,गरज के साथ हुई बारिश से खेतों में किसानों की रबी की खेती को काफी आर्थिक नुकसान

हुआ है। जिससे किसान प्रकृति को कोस रहे हैं। अधिकांश खेतों में गेहूं की फसल गिर गई है, वहीं, सरसों ,चना, मंसूर आदि फसलों को क्षति हुई। तेज हवाओं के चलने से आम के बौर भी झड़े हैं। आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों तेज हवाओं के साथ बारिश होने से किसानों की टेंशन बढ़ा दी है। बारिश से खेतों में फसलों को भारी नुकसान हुआ है। बीते एक सप्ताह से मौसम में बदलाव होने से एक तरफ जहां गर्मी से राहत मिली है तो वहीं किसानों पर मौसम की भारी मार पड़ी है। मौसम का सबसे ज्यादा असर खेतों में किसानों की फसलों पर दिखाई दिया। ज्यादातर जगहों पर गेहूं की फसल गिर गई, वहीं दलहनी एवं तिलहन की फसल को नुकसान हुआ है। बारिश से सब्जी उत्पादक किसानों को भी नुकसान पहुंचा है. तेज हवा चलने से आम उत्पादन किसानों को नुकसान पहुंचा है। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि बारिश होने के बाद सरसों की फसल में माहों का प्रकोप होने से फसलों में रोग एवं कीट लगने का डर भी बढ़ रहा है। किसानों का कहना है कि बारिश होने के बाद फसल में कई तरह के रोग लगने की आशंका से किसानों के माथे पर बल पड़ गया है।

# अस्थाई गौशाला पेसारा में दम तोड़ती गायें, जिम्मेदार मौन

प्रखर केराकत जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के पेसारा गांव में बने निराश्रित अस्थाई गौशाला में लगभग हर हफ्ते किसी न किसी पशु की मौत हो ही जाती है आलम ये है कि मृत्यु पशुओं को गड्ढे में डाल तो दिया जाता है पर उसपर मिट्टी नही डाली जाती है जिस कारण दुर्गंध

**गड्ढे में मृत पड़े पशुओं के शव को छोड़ा गया खुला,शव से निकली दुर्गंध में राहगीर परेशान**

निकलती है दुर्गंध निकलने से आने जाने वाले राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।इस मामले जब मुफ्तीगंज बीडियो रवि कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला संज्ञान में है ग्राम विकास अधिकारी को मौके पर भेज दिया गया है।वही ग्राम प्रधानपति जयहिंद रसीला ने कहा कि जब भी कोई कार्य करता हूं तो सचिव साफ

साफ कहते है कि अपने मन का कोई काम मत किया करो।पशुओं के देखरेख में रखे केयर टेकर को सही समय पर उसका भुगतान कर दिया जाता है ताकि वह जिम्मेदारी के साथ अपना काम कर सके केयर टेकर की वजय से कुछ खामियां है जिसे जल्द ही सुधार कर लिया जायेगा कभी कभी मैं खुद अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए स्वय गौशाला पहुंच पशुओं को चारा खिलाता हूं।उन्होंने कहा कि गौशाला में बिजली की व्यवस्था नही है साथ ही गौशाला परिसर में लगी समरसेबुल को तीन बार अज्ञात लोगो ने चोरी कर ली जिसकी तहरीर थाने पर दी गई हैं मगर आज तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है उन्होंने कहा कि मैं जिलाधिकारी को अवगत कराना चाहता हूं कि गौशाला में बिजली व्यवस्था जल्द से जल्द करवा दिया जाय ताकि पशुओं को पानी की समुचित व्यवस्था हो सके।उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा ने कहा कि मामला संज्ञान में है मुफ्तिगंज बीडियो को अवगत करा दिया गया है। गड्ढे में पड़े शव पर मिट्टी न डालने को लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह गलत है अगर गड्ढे में पशुओं के शव पड़े है तो उसपर मिट्टी डालकर पाट देना चाहिए।

बता दे कि गायों के प्रति उनकी इस संवेदनशीलता का ही नतीजा है कि राज्य में सरकार बनने के बाद से ही गायों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और उनकी देखभाल के लिए कई फैसले लिए गए, गौशालाएं बनवाने के निर्देश दिए गए और बजट में अलग से इसके लिए प्रावधान किया गया लेकिन राज्य का शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां से आए दिन गायों-बछड़ों के मरने की खबर न आती हो, वो भी भूख से मरने की।

## संक्षिप्त खबरें

### ओलावृष्टी से किसानों व पोल्ट्री संचालक हुए बर्बाद

प्रखर पिण्डरा वाराणसी। पिंडरा तहसील क्षेत्र में बैमौसम हुई बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की कमर को तोड़ दी। इसके साथ पोल्ट्री फार्म संचालको तोड़ कर रख दिया। ओलावृष्टि से गेहूं,सरसों, चना , लहसुन, प्याज, अरहर और सब्जी की फसल खेतों में चादर की तरह बिछ गई हैं। क्षेत्र के करखियाव,फूलपुर, परसरा, गजोखर, खालिसपुर, थाना रामपुर व ओदार, काशीपुर व मानापुर समेत आसपास के क्षेत्रों में ओलावृष्टि ने कहर बरपाया। करखियाव के किसान अश्वनी सिंह, गजोखर के किसान राजू सिंह, मानी के अजय सिंह व मानापुर के सन्तोष पटेल ने बताया कि किसान तो बर्बाद हुए ही उसके साथ बटाई की खेती करने वालो के आँखों मे आँसू आ गए। वही करखियाव निवासी दिनेश पटेल के पोल्ट्री फार्म में रखे गए 4 हजार मुर्गे की मौत हो गई। टिन शेड कागज की तरह उड़ गए। लगभग 6 लाख के नुकसान होने की बात कही। इसके अलावा कई अन्य पोल्ट्री फार्म संचालको को नुकसान उठाना पड़ा। इस बाबत एसडीएम अंशिका दीक्षित ने बताया कि ओलावृष्टि से हुए नुकसान का आकलन राजस्व विभाग द्वारा शुरू कर दिया गया है। किसानों को मुआवजा के लिए जल्द ही प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

### मंदिरों पर भक्तों की रही भीड़, मंगारी में हुआ श्रृंगार

प्रखर पिंडरा वाराणसी। चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन ग्रामीण क्षेत्र के प्रसिद्ध मंदिरों में भक्तों की भीड़ रही। क्षेत्र के नकटी स्थित नकटेश्वरी मंदिर, रमईपुर पिंडरा स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर, चारो स्थित कर्णेश्वरी मंदिर, कुआर स्थित काली माता मन्दिर पर भक्तों की भीड़ सुबह से ही लगी रही। मा दुर्गा के भक्त ब्रत धारण कर विधि विधान से पूजा पाठ किया। इस दौरान मंदिरों को भव्य ढंग से सजाया गया था। वही प्राचीन दुर्गा माता मंदिर मंगारी पर चैत्र नवरात्रि पर माँ का भव्य श्रृंगार किया गया। गुड़हल के फूलों से माँ को सजाने के साथ पूरे परिसर को विद्युत झालरों से जगमग कर दिया गया।इस दौरान माँ की भव्य आरती के साथ प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर ऋषि चौरसिया, कृष्णा देवी, कृष्ण कुमार सेठ, श्याम मोहन गुप्ता के अलावा बाजार के व्यापारीगण रहे।

### टीवी और कुपोषण के खात्में को काशी सेवा समिति ने शुरू किया सर्वे

प्रखर वाराणसी। ग्रामीण क्षेत्रों,दूरदराज के बस्तियों में तपेदिक और कुपोषण खात्मे को काशी सेवा शोध समिति ने कई गांव में सर्वे अभियान प्रारंभ किया है।लोगों को तपेदिक रोग से मुक्त करने के लिए यह सर्वे अभियान चलाया जा रहा है।काशी सेवा शोध समिति के सचिव ठाकुर प्रसाद सिंह व चिकित्सक डॉक्टर विवेक राय, डॉक्टर भूपेंद्र शर्मा, व डॉ हर्षा ने बताया कि कुपोषण और तपेदिक ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के लिए एक गंभीर चुनौती है। जिसे जागरूक होकर दवा और पोषण युक्त भोजन लेकर दूर किया जा सकता है। डॉ टी पी सिंह ने कहा कि समिति के द्वारा असवारी भीम चंडी धानापुर भिखारीपुर कंचनपुर परसुपुर भीम चंडी, बंगालीपुर में यह अभियान प्रारंभ है।कहा कि समिति की ओर से विगत वर्षों में 5 दर्जन से अधिक लोगों को तपेदिक बीमारी से ग्रस्त लोगों की चिकित्सा करके ठीक किया जा चुका है।दूसरे चरण में रोगियों की पहचान कर उन्हें दवा दी जाएगी।साथ ही कुपोषण के खात्मे के लिए बच्चों को पोषण पोटली भी दी जाएगी।डॉक्टर हर्षा राय ने बताया कि घरेलू सामग्रियों, पोषण युक्त खाद्यपदार्थ व सब्जियों के विशेष व्यंजन बनाकर बच्चों को कुपोषण से मुक्त किया जा सकता है। इसके लिए ग्रामीण महिलाओं गर्भवती और धात्री महिलाओं को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है।इस दौरान समिति की ओर से लिखित सामग्री भी उपस्थित लोगों में दी गई।

### शैक्षिक संस्थाओं के इर्द-गिर्द नहीं बिकेंगे बीड़ी, सिगरेट व तंबाकू

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने समस्त औषधि विक्रेता व वितरक, गाजीपुर को पत्र प्रेषित कर अवगत कराया है कि माननीय राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग एवं नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किये गये एक युद्ध नशे के विरूद्ध के अन्तर्गत बच्चों को मादक द्रव्यों के सेवन से दूर रखने हेतु विद्यालयों कायार्लायों, शैक्षिक संस्थाओं जैसे कोचिंग सेन्टर, इन्स्टीटयूशन, छात्रावास, प्रशिक्षण केन्द्र एवं उद्यान आदि पर मादक पदार्थो, मदिरा, बीड़ी, सिगरेट व अन्य तम्बाकू उत्पादन की विक्री रोके जाने के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश दिये गये है। जिलाधिकारी ने सभी को आदेशित किया है कि अपने प्रतिष्ठान के अन्दर व बाहर सीसीटीवी कैमरा लगाना सुनिश्चित करें, तथा बिना अधिकृत चिकित्सक के आदेश के किसी व्यक्ति या बच्चों को प्रतिबन्धित मादक, औषधि का विक्रय न किया जाय। उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन करना सुनिश्चित करें। सी0सी0टीवी कैमरे की फुटेज का जनपदीय औषधि नियंत्रण प्राधिकारी/जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा किसी भी समय औचक निरीक्षण किया जा सकता है। इस आदेश का अनुपालन तत्काल प्रभाव से लागू किया जाता है अन्यथा की दशा में सम्बन्धित औषधि विक्रेता/वितरकों के विरूद्ध नियमानुसार प्रशासनिक कार्यवाही की जाएगी।

# आत्मनिर्भरता व स्वाभिमान है जरूरी

मराठी व हिन्दी अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी का बयान कुछ लोगों में बड़ा अखरा। सोनाली ने अपने इंटरव्यू में कह दिया- लड़कियां बेहद आलसी हैं। बस लड़कियों और उनके शुभेच्छुओं को मिर्ची लग गयी। सोनाली ने कहा- लड़कियां आलसी होती हैं, उनको ऐसा पति या ब्याय फ्रेंड चाहिए, जिसकी अच्छी नौकरी हो, मोटी आमदनी हो, अपना घर हो पर उनमें इतनी हिम्मत नहीं कि कह पायें कि मैं शादी के बाद क्या करूंगी। लड़कियों को आलसी बोलते ही, सोनाली ट्रोल हो गयी। वीडियो तेजी से वायरल हुआ। बेवजह विवाद से बचने के लिए दिल चाहता है/ सिंघम जैसी फिल्मों की इस कलाकार ने झट माफी मांग ली। कुलकर्णी ने कहा- खुद औरत होने के कारण मेरा इरादा अनजाने में औरतों का दिल दुखाना कतई नहीं था। मैंने इस वाकये से बहुत कुछ सीखा है। बात का बतंगड़ बनाने वालों ने भले ही इसे हल्के में लिया। मगर यह गलत भी नहीं है। समाज में गहरी नजर डालें तो पैसों व सुख-साधनों को लेकर यह आम सी धारणा बन गयी है। खासकर लड़कियों का बड़ा वर्ग ऐसा भी है, जो तमाम ऐशो-आराम मुहैया कराने के लिए पुरुषों का साथ तलाशता है। वह ब्याह करना हो या दोस्ती करके। अभी भी माताएं अपनी विवाहयोग्य लड़कियों को सजा-संवार कर पारिवारिक/सार्वजनिक आयोजनों में लोभवश ले जाती हैं। पारंपरिक परिवार मानते हैं, उनकी बेटी के प्रति आकर्षित होकर नौजवान या उनके पालक झट-पट विवाह को राजी हो जाएंगे। वे होते भी हैं। दूसरे, समाज में अभी भी बड़ा वर्ग है, जो धन के भरोसे अपनी पसंद का वर पूरे चौड़े से चुनता है। डॉक्टर, आईएएस, एनआरआई या मोटी कमाई वाले इंजीनियरों की विवाह बाजार में आज भी ऊंची बोली लगती है। यही हैं, वे लड़कियां जिन पर सोनाली ने निशाना साधा। सच स्वीकारने में हमें हमेशा दिक्कत होती है।

कुलकर्णी ने अपनी बातों में यह भी जोड़ा- मैं फिर से कहूंगी कि अपने घर की औरतों को बताएं कि वे आत्मनिर्भर बनें। अपने पैरों पर खड़ी हों। ताकि अपना खर्च भी उठाएं और साथी का सहयोग भी करें। लड़कियों को इस तरह तैयार करें कि वे कह सकें कि फ्रिज खरीदना है तो आधे पैसे तुम दो, आधे मैं देती हूं। ....तुम किसी मॉल में आई हो, लड़का चाहिए या ऑफर?....यह बहुत शर्मनाक है। उसने कुछ भी अनजाने या अतिउत्साह में नहीं बोला। अच्छी बात तो यह है कि सोनाली की माफी के बावजूद ढेरों लोग उसके समर्थन में आ गये। इन लोगों ने माना समाज में ऐसी लड़कियां हैं। जो चाहती हैं, उनका पति/प्रेमी उनका मांगों को पूरी करने वाली मशीन बन जाए। मैंने देखा है, जो लड़कियां आत्मनिर्भर हो रही हैं, वे भी यही चाहती हैं कि उनका साथी सारे खर्च उठाये। यह अव्यवहारिक है। औरतों में असुरक्षाबोध ज्यादा होता है, यह सच है। मगर इसे बचने के लिए बेहतर आर्थिक प्लानिंग होनी चाहिए, ना कि निर्भरता को अपना हथियार बना लेना चाहिए। सोनाली ने कहा-...मैं परसेंटेज की बात नहीं कर रही, सारी औरतें ऐसी नहीं होतीं पर लेकिन इस तरह का अग्रेशन और डिमांडिंग नेचर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। आप भी परिवार का जिम्मा उठा सकती हैं। बिल भरना सिर्फ पति का काम तो नहीं। बोलो अगले छह महीने तुम्हारी छुट्टी है। ....मैं अपनी लाइफ के सभी मर्दों की केअर करती हूं। क्योंकि हम आपस में भरोसा बांटते हैं। वास्तव में ढेरों दंपति मिल-जुल कर ही परिवार को संभालते हैं। आज की मंहगाई के दौर में खर्चों और बचत को सहयोगपूर्वक बांटने वाले भी कम नहीं हैं। मगर पति की जेब पर डाका डालने वालियां भी खूब हैं।

**लड़कियां आलसी होती हैं, उनको ऐसा पति या ब्याय फ्रेंड चाहिए, जिसकी अच्छी नौकरी हो, मोटी आमदनी हो, अपना घर हो पर उनमें इतनी हिम्मत नहीं कि कह पायें कि मैं शादी के बाद क्या करूंगी**

ट्रोल करने वालों में बदन उघाड़ू लिबास से चर्चा पाने वाली उर्फी जावेद ने ट्वीट किया- जो तुमने कहा, वह बहुत ही असंवेदनहीन है। आप मॉर्डन औरतों को आलसी कह रही हैं। उर्फी ने लड़कियों से कहा- तुम डिमांडिंग बनी रहना। हक है तुम्हें मांगने का। अगर वे चाहती हैं उनका पति अच्छे पैसे कमाने वाला हो तो बुरा क्या है। वे भी घर का काम निपटाती हैं। लड़कियों को काम करना चाहिए, लेकिन यह प्रिविलेज सभी को नहीं मिलता। हकीकत में अपने घरों में अब तक यही चलन रहा है। घरेलू काम औरतों के जिम्मे और आर्थिक मोर्चे पर मर्द। लेकिन ये औरतें याचक नहीं थीं। सब औरतें आज भी मांग कर अपने शौक नहीं पूरे करतीं। मगर जिन लड़कियों की बात हो रही है, वे कम नहीं हैं। कई करियरिस्ट लड़कियों को वर नहीं मिल रहे, क्योंकि कम पैकेज वाला बन्दा उन्हें रास नहीं आ रहा। उन्हें रील बनानी हैं। इंस्टाग्राम/ फेसबुक पर तस्वीरें चस्पा कर माहौल बनाना है। वोकेशन्स या हनीमून के लिए विदेश जाना है। इस सबके लिए वे अपनी कड़ी मांगे रखने से नहीं चूकतीं। मेरे दो परिचित नौजवानों का रिश्ता ही ऐसे टूटा। दोनों संपन्न परिवारों से हैं। उनकी दुल्हने बहुत साधारण घरों से आयीं। ससुराल की समृद्धि देखकर उनकी आंखें चौंधिया गयीं। उन्होंने पैसा बटोरने के लोभ में अपना दांपत्य आहूत कर दिया। दोनों युवतियां कमोवेश सरकारी मुलाजिम हैं। लेकिन एक ने पचास लाख, दूसरी ने एक करोड़ का गुजारा-भत्ता मांगा। दूसरी, टूटती हुई नवाजुद्दीन की शादी सब देख ही रहे हैं। इस उम्दा कलाकार को घरेलू मोर्चे पर जिस कदर तबाह किया जा रहा है, वह उसके अभिनय के लिए घातक साबित हो सकता है। साधारण किसान का बेटा, बिना किसी गॉड फादर के अपने संघर्ष और प्रतिभा के बूते हिन्दी सिनेमा पर छाप छोड़ रहा है, तभी दांपत्य का बवाल उसके आड़े आ गया। वकीलों के अनुसार, वह पत्नी और बच्ची के खर्च के लिए दस लाख महीना पहले ही दे रहा है। कई शादियां कर चुकी उसकी साबका पत्नी कम विवादित चरित्र नहीं है। ऐसी जानी-मानी शख्सियतें अकसर खबरों में आ रही हैं, जो वास्तव में पैसों के पीछे भाग रही हैं। वे खुद कोई मेहनत/मशक्कत किये बगैर ही ऐशों-आराम की गर्ज से मोटी वसूली करने को बेताब हैं। जिन्होंने लोभवश औरतों के लिए बनाये गये कानूनों का मखौल बना दिया है। औरतों को अपने अधिकार कतई नहीं छोड़ने हैं। मगर फर्ज निभाने का दायरा भी तो बढ़ाया जाए। मांग कर, छीनकर नहीं, छद्म से नहीं, अपने बूते स्त्री को वह सब करना है, जिसकी उसे लालसा है। यहां जिस आलस की तरफ कुलकर्णी का इशारा है, वह स्वीकारा जाना चाहिए। उसकी बुनियाद में जाना चाहिए। इस मानसिकता को पनपने नहीं देना चाहिए। अपने दम पर, आश्रित रहने की बजाए प्रयास तो करना ही चाहिए। दासत्व से बचाव के लिए आत्मनिरभर्ता जरूरी है। ■

# मातृभाषाओं में पढ़ने की दिक्कत

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

**इन** दिनों अपने यहां बच्चों और माता-पिताओं का सामूहिक सा सपना होता है कि उनके बच्चे यूपीएससी, आईआईएम, आईआईटी, सीए संस्थान, मेडिकल संस्थानों आदि में बड़े-बड़े कोर्सेज में दाखिला पाएं। इसकी तैयारी आजकल बच्चे आठवीं कक्षा से ही करने लगते हैं। माता-पिता इसके लिए प्रेरित करते हैं। उन्हें महंगे से महंगे कोचिंग इंस्टीट्यूट में पढ़ने भेजते हैं। इन संस्थानों में सीटें कम होती हैं और परीक्षार्थी लाखों की संख्या में। जो बच्चे इन जगहों पर सिलेक्ट हो जाते हैं, उनके बारे में आम धारणा बन जाती है कि उनका जीवन बन गया। अब बस सफलता ही सफलता मिलेगी। आजकल बच्चे इन संस्थाओं के इम्तिहान अपनी मातृभाषाओं में भी पास करते हैं। इन परीक्षाओं में हिंदी क्षेत्र के बच्चे भी सफल होते हैं। आमतौर पर हिंदी भाषी बच्चों तथा अन्य मातृभाषाओं के बच्चों को इन संस्थानों में भाषा के कारण काफी मुश्किलों को झेलना पड़ता है क्योंकि इन संस्थानों में आज भी अंग्रेजी का बोलबाला है।इस लेखिका के कई परिचित बच्चे इन जगहों पर अपनी दोयम दर्जे की नागरिकता की शिकायत करते हैं। उन्हें भाषागत भेदभाव को झेलना पड़ता है। बहुत से बच्चे पढ़ने में कठिनाई महसूस करते हैं। वे अवसाद का शिकार भी हो जाते हैं। इनमें से कई आत्महत्या जैसा कदम भी उठा लेते हैं। हाल ही में आईआईटी मुम्बई में एक बच्चे ने आत्महत्या कर ली। बताया गया कि यह बच्चा दलित था। इसे जातिगत और भाषागत भेदभाव दोनों झेलने पड़ते थे। इम्तिहान में नम्बर भी कम आए थे, उस बच्चे ने जान गंवा दी। आखिर इन भेदभावों को दूर करने के लिए कौन से ऐसे उपाय हैं जो किए जा सकते हैं, इस बारे में इन संस्थानों को गंभीरता से सोचना चाहिए।

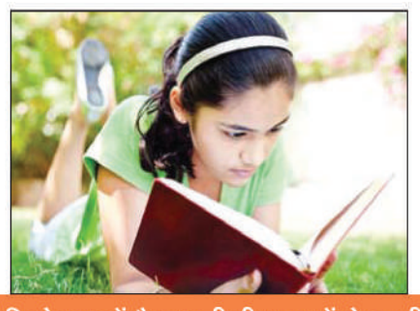

**सोचें कि ऐसा क्यों है। अपनी ही भाषाओं से इतनी नफरत क्यों है। अंग्रेजों के चले जाने से भी क्या फायदा हुआ, उनकी हर चीज तो हमने प्रगतिशीलता के नाम पर अपना ली है**

आखिर मातृभाषाएं जिनके बारे में अनेक रिसर्च बता चुकी हैं कि बच्चे गर्भ में भी अपनी मातृभाषा को पहचानते हैं। समझते हैं। अगर उनकी शिक्षा का माध्यम भी वही हों तो वे बहुत अच्छा परफॉर्म करते हैं। यूरोप के देशों, जापान आदि में भी मातृभाषा में उच्च शिक्षा तक दी जाती है। वहां कोई यह नहीं कहता पाया जाता कि यू नो माई हिंदी इज नॉट दैट गुड। अपनी मातृभाषा को न जानने पर हिंदी के वे लोग जो बड़े पदों पर पहुंच गए हैं, क्यों शर्माते हैं, उन्हें इस बात पर शर्म की जगह गौरव क्यों महसूस नहीं होता है कि वे हिंदी नहीं जानते। क्या किसी बांग्लाभाषी, मलयालम भाषी, गुजराती, उड़िया आदि भाषाओं वालों के मुंह से कभी ऐसी बात सुनी है। मातृभाषा वाले यदि बड़े संस्थानों में दोयम दर्जे के नागरिक हैं तो उनके मुकाबले हिंदी वाले तो और भी निचले पायदान पर हैं। हिंदी को लेकर यह बायस हर जगह नजर आता है। जिन मीडिया संस्थानों में अंग्रेजी हिंदी दोनों के पत्रकार काम करते हैं, वहां प्रबंधन तक अंग्रेजी वालों को अधिक अहमियत देते हैं। सारी सुविधाओं पर उनका अधिकार पहले होता है। यह बात अलग है कि बहुत से संस्थानों में हिंदी के अखबार, पत्रिकाएं भारी मुनाफा कमाते हैं मगर उनकी निचले पायदान पर जगह बनी ही रहती है।

सोचें कि ऐसा क्यों है। अपनी ही भाषाओं से इतनी नफरत क्यों है। अंग्रेजों के चले जाने से भी क्या फायदा, उनकी हर चीज तो हमने प्रगतिशीलता के नाम पर अपना ली है। उनका रहन-सहन,खान-पान, वेशभूषा, भाषा। उनका महानता का गायन। ऐसे में यदि इन संस्थानों में भाषा के कारण बच्चे परेशान होते हैं, तो इसका कारण जरूर समाज में ही छिपा है। सिर्फ जांच कमीशन बिठा देने से ही काम नहीं चलता है क्योंकि इनकी रिपोर्टस अकसर ठंडे बस्ते में चली जाती हैं। हम सवाल खुद से ही क्यों न पूछें कि इन बातों से कैसे निपटा जा सकता है। ■

■ अनिता घोष

## केले का कोफ्ता

**सामग्री-** कच्चा केला 4, सिंघाड़े का आटा 100 ग्राम, एक टुकड़ा अदरक कद्दूकस किया हुआ, धनिया पाउडर एक चम्मच, लाल मिर्च पाउडर एक चम्मच, छोटी इलायची पीसी हुई आधा चम्मच, नींबू का रस एक चम्मच, हरी मिर्च 2-3 कटा हूआ, हरी धनिया एक चम्मच,सेंधा नमक स्वादानुसार, तलने के लिए घी।

**विधि-** सबसे पहले केले को उबाल लें। अब उबले हुए केले को छील कर एक बाउल में रखें। केले को मैश कर लें। अब इसमें अदरक, इलायची पाउडर डाल कर अच्छी तरह मैश कर लें। अब इसमें सिंघारे का आटा, धनिया पाउडर, हरी मिर्च, हरा धनिया,लाल मिर्च पाउडर, नींबू का रस, और सेंधा नमक डाल कर अच्छी तरह गूथ लें। अब गूंथे हुए मिश्रण से गोल गोल लोई को समान रूप में काट लें। अब बचे हुए सिंघारे के आटा से लपेट कर मनचाहा आकार क कोफ्ता बना लें। गैस पर कढ़ाही रखें। कढ़ाही गरम हो जाने के बाद घी गरम करें। घी गरम हो जाने के बाद एक साथ 3-4 कोफ्ते डालें। मीडियम आंच पर सभी कोफ्ते सुनहरा होने तक उलट-पूलट कर तलें। तलें हुए कोफ्ते को प्लेट में निकाल कर सजाएं। हरी चटनी या दही के साथ के साथ सर्व करें।

## साबूदाना का कबाब

**सामग्री-** साबूदाना आधा कप (5-6 घंटा) भिंगोया हुआ, दो बड़ा उबला आलू, हरी मिर्च बारीक कटी हुई 3-4, हरी धनिया बारीक कटी हुई 2 चम्मच, तलने के लिए तेल, सेंधा नमक स्वादानुसार, बेकिंग पाउडर आधा चम्मच।

**विधि-**साबूदाना को छान लें। उबले हुए आलू को छीलकर साबूदाना के साथ मिलाएं। अब हरी मिर्च, धनिया पत्ता, नमक, बेकिंग पाउडर मिलाएं, साबूदाना ज्यादा गीली नहीं होनी चाहिए। अब कढ़ाही में तेल डाल कर गरम करें। गरम तेल में एक साथ 4-5 कबाब डाल कर सुनहरा होने तक तलें। इसी तरह से जब सब कबाब तल जाए तो गरमा गरम कबाब प्लेट में सजाकर हरी चटनी के साथ साबूदाना के कबाब सर्व करें।

# मनुष्य के जीवन में नवरात्र का आध्यात्मिक महत्व

एस.वी. सिंह 'प्रहरी'

**नवरात्र** पर्व माता आदिशक्ति के नौ स्वरूपों को समर्पित होता है, इस पर्व का आध्यात्मिक महत्व समझने के लिए पुरूष-प्रकृति तथा उसकी क्रियाओं को समझना आवश्यक है। भगवान शिव जीव में आत्मा अर्थात चेतन रूपी पुरूष तत्व के ऊर्जा रूप में विराजमान रहते हैं तथा माता आदिशक्ति (पार्वती) प्रकृति तत्व की ऊर्जा के रूप में स्थित होकर जीव के जीवन यात्रा के लिए शरीर एवं अन्य वाह्य स्रोत की उपलब्धता सुनिश्चित करती है। पुरूष एवं प्रकृति एक दूसरे के पूरक है और इन दोनों के आपसी सहयोग के बिना संसार में किसी वस्तु, स्थान अथवा जीव से सम्बन्धित सृजन, संचालन एवं परिवर्तन संबंधी क्रिया-प्रतिक्रिया होना संभव नहीं है। चूंकि चेतन रूपी जीवात्मा स्थिर ऊर्जा तत्व है परन्तु प्रकृति रूपी ऊर्जा चंचल, गतिमान, परिवर्तनशील एवं इच्छा रूप में स्थित होती है, ऐसे में जीवात्मा की जीवन यात्रा के लिए जो प्रकृति रूपी ऊर्जा उसके समीप होती है उसे संतुलित रखकर ही जीव अपनी जीवन यात्रा को उद्देश्यपूर्ण बना सकता है अन्यथा उसका जीवन धीरे-धीरे विकृतिपूर्ण अर्थात् तमस् प्रधान होता जाता है। प्रायः किसी भी जीव के लिए अपनी तमस् प्रधान प्रवृत्ति (प्रकृति) को परिवर्तित कर रजस अथवा सत्व प्रधान प्रवृत्ति की ओर वापस आना आसान नहीं हो पाता है जिसके कारण उसे उन विकृतिपूर्ण कर्मो के भोग के लिए बार-बार किसी न किसी योनि में जन्म लेना होता है। इस बात को भगवान शिव एवं माता पार्वती से सम्बन्धित एक किवदंती के माध्यम से आसानी से समझा जा सकता है।

एक बार की बात है भगवान शिव (पुरूष तत्व) जब समाधि में लीन हो रहे थे तो उन्होंने माता पार्वती (प्रकृति तत्व) से निवेदन किया कि उनके समाधिस्थ अवस्था में रहने तक वह उनके समीप रहकर उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति पर ध्यान दें, माता पार्वती ने उनके इस निवेदन को स्वीकर किया, परन्तु इसी दौरान कुछ दैत्यों एवं दानवों ने संसार में भयंकर उत्पात मचाना शुरू कर दिया जिस पर माता पार्वती ने सर्वप्रथम अपने सौम्य सतोगुणी स्वरूप में रहकर ही उन दैत्यों को बारम्बार शांत होने के लिए कहा परन्तु जब वह दैत्यगण शांत नहीं हुए तो उन्होंने तमोगुणी रूपी महाकाली का प्रचण्ड एवं रौद्र स्वरूप धारण किया और उनका संहार करने लगी। उनके द्वारा उग्र स्वरूप धारण करने का प्रभाव यह हुआ कि युद्ध समाप्त होने के पश्चात भी वह अपने मूल सतोगुणी स्वरूप में वापस नहीं आ पा रही थी और उनके तमोगुणी स्वरूप के कारण संसार का विनाश प्रत्यक्ष होने लगा। स्थिति की गम्भीरता को देखकर देवताओं ने भगवान शिव को समाधिस्थ अवस्था से बाहर लाने का प्रयास किया जिसके परिणामस्वरूप जब भगवान शिव ने समाधिस्थ अवस्था से बाहर आकर अपनी आंख खोली तो पाया कि प्रकृति रूपी माता पार्वती अपने महाकाली के तामसिक रूप में संसार का संहार कर रही हैं तो वे माता पार्वती को उनके मूल स्वरूप में वापस लाने के लिए स्वयं माता काली के सामने लेट गए और जब माता काली जी का पैर भगवान शिव के वक्षस्थल पर पड़ा तो आत्मग्लानि स्वरूप उनकी जीह्वा बाहर निकल गयी और उन्हें अपने मूल स्वरूप का बोध होने लगा और धीरे-धीरे वापस अपनी मूल प्रकृति माता पार्वती के स्वरूप में अपने पुरूष तत्व रूपी भगवान शिव के समीप लौट पायी।

चूंकि ऊर्जा का स्वभाव परिवर्तनशील एवं गतिशील होता है इसीलिए प्रत्येक मनुष्य जब संसार में अपनी जीवन यात्रा तय करता है तो उसकी प्रकृति रूपी ऊर्जा संसार में उसके कर्मो, खान-पान, सामाजिक/प्राकृतिक वातावरण आदि विभिन्न प्रकार के गुणों अर्थात् सत्व, रजस एवं तमस प्रधान आभामण्डल से होकर गुजरती रहती है जिसके कारण वह ऊर्जा कभी-कभी प्रदूषित और असंतुलित होकर मनुष्य के अत्यंत दुःखों का कारण बन जाती है ऐसी अवस्था को संभालना अथवा ऐसी अवस्थाओं से अपने मूल गुणों में वापस आ पाना उसके वश के बाहर हो जाता है। इन स्थितियों में उसको संतुलित अवस्था में लाने का एक ही माध्यम है अष्टांग योग। वैदिक ज्ञान में आध्यात्मिक रूप से मन को संतुलित करने के लिए अष्टांग योग के प्रथम पांच अंग बहिरंग रूप में यम, नियम, आसन, प्राणायाम एवं प्रत्याहार होते है तथा तीन अंतरग रूप ध्यान, धारणा एवं समाधि होते है।

बहिरंग अर्थात बाहरी आयामों का तात्पर्य शारीरिक, सामाजिक, वैक्तिक, प्राणिक एवं इन्द्रियगत आयामों का शुद्धिकरण करना तथा बहिरंग साधना जब यर्थात रूप से अनुष्ठित हो जाती है तब साधक को अंतरंग साधना का अधिकार प्राप्त होता है और मनुष्य को ध्यान, धारणा तथा समाधि के माध्यम से अर्न्तमुखी होकर अपनी आंतरिक शक्ति रूपी ऊर्जाओं से परिचय होता है तथा उन स्थितियों की प्राप्ति के पश्चात् मनुष्य को अपनी प्रकृति की वाह्य एवं आंतरिक ऊर्जा शक्तियों को संतुलन करने की शक्ति प्राप्त हो जाती है। वेदों में भी इस बात का उल्लेख है कि माता पार्वती को भी अपने शिव रूपी पुरूष तत्व को पाने के लिए इसी अष्टांग योग का सहारा लेना पड़ा और तभी माता पार्वती को भी अपने अंदर व्याप्त माता आदिशक्ति की शक्तियों एवं स्वरूप का बोध हुआ।यहाँ प्रश्न उठता है कि अपनी प्रदूषित ऊर्जाओं के शुद्धिकरण के लिए वर्ष में नवरात्र पर्व को ही क्यों चुना गया? इसका प्रमुख कारण यह है कि वर्ष की दोनों प्रमुख नवरात्रियों का समय ऋतुओं के संधिकाल का होता है। संधिकाल में वातावरण में ऋतुओं की ऊर्जाएं परिवर्तित होती हैं जिसके कारण वातावरण में शून्यता का प्रभाव अधिक होता है इसलिए यदि इस समय साधना करके मनुष्य अपनी ऊर्जाओं में परिवर्तन कर उनको संतुलित करने का अनुष्ठान करता है तो वातावरण की ऊर्जा भी उसको भरपूर सहयोग प्रदान करती है जिससे वह अपनी मूल प्रवृत्ति को आसानी से पा सकता है।

नवरात्र पर्व का यह अनुष्ठान अष्टांग योग का ही स्वरूप है जिसमें माता के नौ स्वरूपों की ऊर्जा को पहचानने का अवसर प्राप्त होता है। संसार में खान-पान, सामाजिक परिवेश एवं कर्मक्षेत्र के विभिन्न वातावरण में रहकर जब मनुष्य की ऊर्जाओं के प्रदूषित होने से उसकी प्रवृत्ति में बदलाव आ जाता है तो उसे इन नवरात्र की समयावधि में यम, नियम, आसन, प्राणायाम एवं प्रत्याहार, ध्यान, धारणा एवं समाधि प्रक्रिया को अपनाकर अपनी ऊर्जाओं का शुद्धिकरण करने का अवसर प्राप्त होता है। आदिशक्ति स्वरूपा माता दुर्गा जी की इन नौ स्वरूपों की ऊर्जाएं ही मनुष्य के शरीर में सात चक्र एवं दो नाड़ियों के रूप में व्याप्त होती है, इन्हीं ऊर्जाओं के असंतुलन से मनुष्यों के अंदर उनकी प्रकृति रूपी ऊर्जा अर्थात् प्रवृत्ति में विकृति एवं नकारात्मकता का उदय होता है, जिसका संतुलन इन नवरात्र के पर्व में चक्रों एवं नाड़ियों का शोधन करके किया जाना चाहिए। जब कोई साधक इसी प्रक्रिया को ठीक से समझकर पूर्ण निष्ठा, धर्म एवं भाव से अष्टांग योग के नियमों का पालन कर बारम्बार नवरात्र पर्व का अनुष्ठान पूर्ण कर धीरे-धीरे अर्न्तमुखी होता जाता है तो उसे अपनी ऊर्जाओं को संतुलन करने की शक्तियां प्राप्त हो जाती है और वह अपने जीवन के मूल उद्देश्यों की प्राप्ति कर तमाम सिद्धियां एवं आध्यात्मिक शक्तियां प्राप्त करता है। ■

# टैरो

ऋचा श्रीवास्तव

(22 मार्च - 28 मार्च)

**मेष (21मार्च-20अप्रैल)-** विचारों में भिन्नता संबंधों के मध्य भ्रम की स्थि पैदा कर सकती है। इसके कारण गुस्सा और चिढ़चिढ़ाहट आ सकता है। नौकरी-व्यवसाय में पूर्ण परिश्रम से किये गए कार्यो में लाभ प्राप्त होगा। पारिवारिक और दांपत्य जीवन में सुख शांति में कमी रहेगी। स्वास्थ के मामले में ध्यान रखने की ज़रुरत है।

**वृषभ (21अप्रैल-21मई)-** व्यवसाय व साझेदार से लाभ मिलने की सम्भावना है। परिवार में सुख समृद्धि बनी रहेगी। निर्णय लाभदायक होंगे। जीवन साथी का सहयोग प्राप्त होगा। भूमि और संपत्ति खरीदने के योग है। परिवार में कोई मांगलिक कार्य अथवा उत्सव संभव है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

**मिथुन (22मई-21जून)-** इच्छा शक्ति को मजबूत करें और आगे बढ़ें। यात्रा का भी योग है। योग्यता पर विश्वास करें और नई योजनाओं पर अमल करें। संगीत सुने, ऊर्जा मिलेगी। विवाह के योग बन रहे है। जीवन साथी के साथ संबंध मधुर होंगे।

**कर्क (22जुडे-22जुलाई )-** संतुलन की ज़रुरत है। परिवर्तन का समय है। कुछ नया करने में ऊर्जा लगाएं। नेचर में समय बिताएं। काम पर ध्यान दें। जुनून को कुछ नया करने में लगाएं। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं। जीवन साथी के साथ समय बिताएं, साथ में यात्रा का भी योग है। विद्यार्थी वर्ग को मेहनत करने की आवश्यकता है।

**सिंह (23जुलाई-21अगस्त)-** नजरिया बदलें, जीवन खुद ब खुद बदल जायेगा। प्रभाव और सकारात्मक शक्तियां शिखर पर होंगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। जीत के मार्ग पर हैं। कार्य को लगन और ईमानदारी से निभाएं। परिवार में खुशियां आएंगी और सुख शाति बनी रहेगी। धार्मिक कार्यो में रूचि बढ़ेगी।

**कन्या (22अगस्त-23सितम्बर)-** व्यावहारिक होने की ज़रुरत है। तनाव को बढ़ने न दें। प्रतिदिन व्यायाम करें। बदलाव से घबराएं नहीं उसका स्वागत करें। जीवन साथी के साथ संबंध मधुर होंगे। नौकरी व्यवसाय में पूर्ण परिश्रम से किये गए कार्यो में लाभ प्राप्त होगा। भौतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। विवाह का योग बन सकता है।

**तुला (24सितम्बर-23अक्टूबर)-** स्वाभाव में उग्रता रहेगी। जीवन साथी या साझेदार के साथ मन मुटाव की सम्भावना है। दृष्टिकोण में बदलाव लाने की ज़रुरत है। लगन और ईमानदारी से कार्य करें सफलता मिलेगी। मुसीबतों का सामना साहस से करें। संगीत में रुचि बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन मनमुटाव की सम्भावना है। आर्थिक निवेश के प्रति सचेत रहें।

**वृश्चिक (24अक्टूबर-22नवंबर )-** मेहनत और परिश्रम से बेहतरीन परिणाम मिल सकते है। आय के नए योग बन रहे है। पारिवारिक और दाम्पत्य जीवन में सुख शांति रहेगी। प्रतियोगिता परीक्षा के कार्यो में सफलता की सम्भावना है। नौकरी व व्यवसाय में तरक्की के योग है। धार्मिक कार्यो में रूचि बढ़ेगी।

**धनु (23नवम्बर-22दिसम्बर)-** समय अधिक अनुकूल नही है इसीलिए सीमित दायरे में रखें। कोई जोखिम नही लें। सहयोगियों और मित्रों के साथ सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखें। साथी के साथ जीवन सुखमय होगा। किसी भी नए कार्य को करने से पूर्व अच्छे से जानकारी ले लें।

**मकर (23दिसम्बर-20जनवरी )-** साथी के साथ मतभेद हो सकता है। पति पत्नी एक दूसरे के साथ समय बिताने की कोशिश करें, बिखर चुकी चीजों को संगठित करने में ऊर्जा लगाएं। सेहत के लिए समय अनुकूल नही है। हड़बड़ी में कोई फैसला न लें। आर्थिक निवेश के लिए समय अनुकूल नही है।

**कुम्भ (21जनवरी-19फ़रवरी)-** सहयोगियों के साथ तालमेल बनाने की आवश्यकता रहेगी। पारिवारिक वातावरण में तनाव हो सकता है। वाहन सावधानीपूर्वक चलाएं और नकारात्मक विचारों से दूर रहें। धन संग्रह एवं बचत के लिए समय अनुकूल नही है। व्यापारियों और उद्यमियों के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। व्यावसायिक विकास के लिए खर्च किया गया धन भविष्य में अच्छे परिणाम देगा।

**मीन (20फरवरी-20मार्च )-** व्यापार में नयी योजनाओं का शुभारम्भ होगा , पैसे और वित्ति सम्बन्धी मामलो में अच्छा रहेगा। परिवार में सुख समृद्धि आएगी और लाभ होगा। मान सम्मान में वृद्धि होगी। कार्य और व्यवसाय में आशातीत सफलता मिलने की सम्भावना हा। धार्मिक कार्यो में रुचि लेंगे और प्रियजनों के साथ मुलाकात सुख देगी। ■

## ताइवानी राष्ट्रपति के अमेरिका दौरे से चीन को ऐतराज

**वॉशिंगट ,(एजेंसी)।** अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव के बीच ताइवानी राष्ट्रपति अमेरिका का दौरा करने वाली हैं। ताइवान की प्रेसीडेंट साइ इंग वेन इस महीने के अंत में न्यूयॉर्क और दक्षिणी कैलिफोर्निया की यात्रा करेंगी। ताइवान के प्रमुख विपक्षी नेता की चीन यात्रा के ऐलान के बाद साइ की अमेरिका यात्रा रणनीतिक रूप से काफी अहम है। वहीं, चीन की तरफ से ताइवान और अमेरिका के करीब आने पर सख्त ऐतराज जताया गया।

## प्रिंस के न्योते पर सऊदी अरब जाएंगे राष्ट्रपति रईसी

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** मध्य-पूर्व के दो दुश्मन देश सऊदी अरब और ईरान के बीच रिश्ते बेहतर होते दिख रहे हैं। लगभग सात साल से ठप राजनयिक रिश्ते को फिर से बहाल करने की घोषणा के बाद सऊदी अरब ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को सऊदी अरब दौरा करने का न्योता भेजा है। दोनों देश राजनयिक संबंधों को बहाल करने के लिए सहमत हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरानी राष्ट्रपति को यह न्योता सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने भेजा है।

## आतंकी फंडिग में कश्मीरी पत्रकार इरफान गिरफ्तार

**श्रीनगर, (एजेंसी)।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने कश्मीर के एक स्वतंत्र पत्रकार इरफान महराज को कथित तौर पर आतंकवादी फंडिंग मामले में गिरफ्तार किया है। अधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर 2020 में दर्ज गैर सरकार संगठन (एनजीओ) आंतकवादी फंडिंग मामले की व्यापक जांच के बाद आज एनआईए ने इरफान महराज को श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) से गिरफ्तार किया है। गौरतलब है कि इरफान महराज खुर्रम परवेज का करीबी सहयोगी था और उसका संगठन जम्मू-कश्मीर कोएलिशन ऑफ सिविल सोसाइटीज (जेकेसीसीएस) के साथ काम कर रहा था। एनआईए ने इरफान के करीबी सहयोगी खुर्रम को भी हिरासत में लिया।

## अजमेर मेले में गिरा झूला कई महिलाएं व बच्चे घायल

**अजमेर, (एजेंसी)।** राजस्थान के अजमेर में बस स्टैंड के पास लगे एक मेले में लगा झूला गिर गया। इस झूले के गिरने से कई लोगों के घायल हो गए। इस हादसे में कई महिलाओं और बच्चों की हड्डियां टूटी हैं। हादसे की सूचना मिलने पर तुरंत एंबुलेंस पहुंच गई है। घायलों को जेएलएन अस्पताल ले जाया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक मौके से झूला संचालक तुरंत फरार हो गया। इस घटना के बाद अजमेर के एडिशनल एसपी मौके पर पहुंचे हैं। पुलिस के मुताबिक अजमेर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में यह मेला लगा हुआ था। झूला ठीक चल रहा था लेकिन अचानक केबल टूट गई और झूला नीचे गिर गया। इस हादसे में कुछ लोगों को चोटें आई हैं और उन्हें जेएलएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

## प्रदर्शन कर रहे 70 लोगों को हिरासत में लिया

**पेरिस, (एजेंसी)।** फ्रांस की संसद में पेंशन सुधार की मंजूरी के बाद सोमवार शाम को हुए विरोध प्रदर्शन में पुलिस ने 70 लोगों को हिरासत में लिया हैं। बीएफएमटीवी ने पुलिस स्रोत के हवाले से रिपोर्ट दी है कि सोमवार को पेरिस में पेंशन सुधार को लेकर सरकार में अविश्वास प्रस्ताव पर दो मतों के बाद प्रदर्शनकारी और पुलिस आपस में भिड़ गए। फ्रांस के प्रधानमंत्री एलिज़ाबेथ बोर्न ने 16 मार्च को घोषणा की कि सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 49.3 को लागू करते हुए सेवानिवृत्ति की आयु 62 से बढ़ाकर 64 वर्ष करने प्रस्ताव किया है। इसे बिना संसदीय मत के पारित करने की अनुमति दी है।

## आज का इतिहास

- **1873:** प्योर्तो रिको में दास प्रथा को खत्म किया गया।
- **1890:** रामचंद्र चटर्जी पैराशूट से उतरने वाले पहले व्यक्ति बने।
- **1917:** रूस में नई सरकार को मान्यता देने वाला अमेरिका पहला देश बना।
- **1977:** इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री के पद से इस्तीफा दिया।
- **1982:** नासा का अंतरिक्ष यान कोलंबिया तीसरे मिशन पर रवाना।
- **2000:** दक्षिण अमेरिका के कोरू से इनसेट 3बी का प्रक्षेपण किया गया।
- **2012:** कनाडा के मॉन्ट्रियल में दो लाख से अधिक लोग मा. शिक्षा ट्यूशन बढ़ोतरी के विरोध में मार्च किया।
- **2020:** कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए पूरे भारत में एक दिन का जनता कर्फ्यू लागू किया गया।

## चोरी-छिपे हाईकोर्ट पहुंचे पूर्व पीएम इमरान, दो मामलों में जमानत

**लाहौर, (एजेंसी)।** पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान को लाहौर हाईकोर्ट ने बड़ी राहत देते हुए दो आतंकवाद मामलों में जमानत दे दी है। पिछले सप्ताह इस्लामाबाद में न्यायिक परिसर के बाहर हुई हिंसा को लेकर उनके खिलाफ दर्ज आतंकवाद समेत कई मामलों में मंगलवार को लाहौर उच्च न्यायालय ने सुरक्षात्मक जमानत दे दी। न्यायमूर्ति शहबाज रिजवी और न्यायमूर्ति फारूक हैदर की दो न्यायाधीशों की पीठ ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख को 27 मार्च तक आतंकवाद के मामलों में सुरक्षात्मक जमानत दे दी।

पूर्व प्रधानमंत्री तोशखाना मामले में एनएबी की जांच में लाहौर उच्च न्यायालय (एलएचसी) के न्यायमूर्ति बाकिर नकवी के समक्ष भी पेश हुए। अदालत ने उन्हें अगले मंगलवार तक सुरक्षात्मक जमानत दे दी। अदालत के एक अधिकारी ने सुनवाई के बाद बताया कि इमरान खान ने मंगलवार अदालत को बताया कि वह अदालत में चुपके से आए थे, क्योंकि उनके घर के पास भारी संख्या में पुलिस तैनात थी, ताकि उन्हें अदालत पहुंचने से रोका जा सके।

## पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर 2.4 करोड़ रुपए के गिफ्ट गटकने के आरोप

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की तरह ही गिफ्ट घोटाला करने का आरोप है।

अमेरिकी संसद की जांच कमेटी के अनुसार, आरोप है कि अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प ने 47,000 डॉलर से अधिक मूल्य के 17 भारतीय उपहारों का खुलासा नहीं किया, जो कि उन्हें और उनके परिवार को भारत से मिले थे। भारतीय रुपए में इन उपहारों का मूल्य 38.85 लाख है। अमेरिकी संसद के डेमोक्रेट्स की रिपोर्ट में ट्रंप और उनके परिवार पर कुल 100 विदेशी उपहारों को छुपाने के आरोप हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक इन सभी उपहारों की कीमत 2,91,000 डॉलर यानी 2.4 करोड़ रुपए बताई गई है। रिपोर्ट्स में कहा कि ये उपहार 2018 और 2021 के बीच तत्कालीन राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गुजरात के तत्कालीन सीएम विजय रूपाणी, तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव और फिलिपींस में भारत के दूतावास द्वारा दिए थे।

## 'हाइपरसोनिक मिसाइल आईसीसी कोर्ट को मिट्टी में मिला देगी'

**मॉस्को, (एजेंसी)।** रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी करने के अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय के फैसले के अंतरराष्ट्रीय कानून के लिए विनाशकारी नतीजे होंगे। मौजूदा समय में रूस की सिक्योरिटी कौंसिल के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने सोमवार को कहा कि उन्होंने एक परमाणु शक्ति के राष्ट्रपति पर मुकदमा चलाने का फैसला किया। यह साफ है कि उनका निर्देश यथासंभव कठोर था।

मेदवेदेव ने टेलीग्राम पर कहा कि आईसीसी के जजों को एक बड़ी परमाणु शक्ति के खिलाफ हाथ नहीं खड़ा करना चाहिए था। दिमित्री मेदवेदेव ने धमकी देते हुए कहा कि सज्जनों हर कोई भगवान और मिसाइलों के प्रति जवाबदेह है। यह कल्पना करना बहुत संभव है कि उत्तरी सागर में एक रूसी युद्धपोत से हाइपरसोनिक मिसाइल ने हेग में अदालत की इमारत पर हमला किया। इसे गिराया नहीं जा सकते अदालत केवल एक दयनीय अंतरराष्ट्रीय संगठन है। जजों से आकाश को करीब से देखने के लिए कहा। मेदवेदेव ने कहा कि अब कोई भी अंतरराष्ट्रीय संस्थानों की ओर रुख नहीं करेगा।

### ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग के सामने तिरंगे के साथ जुटे लोग

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** मंगलवार को ब्रिटेन में भारतीय समुदाय के कई लोगों भारतीय उच्चायोग के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। ये प्रदर्शन रविवार के प्रदर्शन के जवाब में किया गया। आयोजकों ने बताया कि यह कार्यक्रम भारतीय उच्चायोग और उसके कर्मचारियों के साथ एकजुटता और रविवार को प्रदर्शनकारियों द्वारा भारतीय ध्वज के अपमान के विरोध में आयोजित किया गया था।

## चीन के राष्ट्रपति रूस पहुंचे, जापानी पीएम यूक्रेन में

**कीव, (एजेंसी)।** रूस और यूक्रेन में चल रहे युद्ध की गूंज इन दिनों एशिया में है। दरअसल, जापान और चीन के नेताओं के दौरे जारी हैं। दोनों ही नेता कूटनीतिक विदेशी दौरे पर हैं और युद्ध के विपक्षी केंद्रों में हैं। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचे हैं, जबकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग मॉस्को में हैं।

किशिदा ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के दौरान उन्हें बेहिचक समर्थन का भरोसा दिया है और पुनर्निर्माण में और मानवीय राहत कार्यों में मदद का भरोसा दिया है, वहीं रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने शी जिनपिंग को अपना करीबी दोस्त और सहयोगी कहा है चीन भले ही ये दावा कर रहा है कि वो तटस्थ है लेकिन अभी वो रूस की तरफ अधिक झुका दिखाई दे रहा है। मंगलवार को शी जिनपिंग ने कहा है कि चीन रूस के साथ अपने संबंधों को प्राथमिकताएं देगा उन्होंने दोनों देशों को महान पड़ोसी शक्तियां भी कहा है।

### उमेश पाल हत्याकांड मामले में 27वें दिन पुलिस की कार्रवाई

## अतीक के ठिकाने से मिले 80 लाख और 9 पिस्टल, 5 धराए

**प्रयागराज,(ब्यूरो)।** उमेश पाल हत्याकांड में शूटरों को पकड़ने के लिए पुलिस ने यूपी के माफिया डॉन अतीक अहमद के दफ्तर पर छापेमारी की। उमेश पाल शूटआउट के 27वें दिन प्रयागराज पुलिस ने माफिया अतीक अहमद के चकिया स्थित ध्वस्त कार्यालय पर छापा मार कर लगभग अस्सी लाख रुपए कैश नौ पिस्टल दो तमंचे जिंदा कारतूस और मैगजीन बरामद की । साथ ही नोट गिनने की मशीन भी पुलिस को मिली। साथ ही पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लिया है । अतीक के चकिया स्थित कार्यालय पर पुलिस का सर्च ऑपरेशन के दौरान भारी पुलिस बल के साथ पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। इसके साथ ही पुलिस कमिश्नर प्रयागराज रमित शर्मा भी टीम के साथ मौजूद रहे। माफिया अतीक के चकिया स्थित कार्यालय के आगे के हिस्से को वर्ष 2020 मे अवैध हिस्से को प्रयागराज विकास प्राधिकरण पहले ही ध्वस्त कर चुका है । शाम साढ़े सात बजे पुलिस कमिश्नर प्रयागराज रमित शर्मा ने प्रेस वार्ता कर छापे की कार्यवाही की विस्तृत जानकारी दी । हिरासत में लिए गए लोगों से पुलिस पूछताछ करेगी। इस दौरान वहां भारी पुलिस फोर्स की तैनाती की गई थी। सूत्रों के अनुसार इस दौरान अतीक अहमद गैंग का करीबी गुर्गा भी दबोचा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक पकड़ा गया गुर्गा उमेश पाल हत्याकांड में शामिल शूटरों के भी संपर्क में था। छापेमारी के दौरान अतीक अहमद गैंग से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गुड्डू मुस्लिम, मोहम्मद गुलाम और साबिर की तलाश में यूपी पुलिस और यूपी एसटीएफ सूबे के साथ-साथ 13 राज्यों और 15 जिलों की खाक छान रही है।

**इनाम बढ़ा, लेकिन नहीं मिल रहे हैं शूटर:** असद, अरमान, गुलाम, गुड्डू मुस्लिम और साबिर की तलाश पुलिस ने तेज कर दी है. यूपी पुलिस ने इन्हीं पांचों के सिर पर अब इनामी राशि भी बढ़ा दी है। उमेश पाल की हत्या के मामले में यूपी पुलिस ने पांच आरोपियों पर इनाम की रकम ढाई लाख रुपए से बढ़ा कर पांच लाख कर दी है। पुलिस और एसटीएफ दिन रात छापेमारी के बाद भी शूटरों तक नहीं पहुंच पा रही है। सूत्रों के अनुसार, हथियार सप्लाई करने वाला हिरासत में लिया गया।

## फांसी की तकलीफदेह सजा के लिए क्या कोई और तरीका है उपलब्ध ?

**सजा-ए-मौत पर केंद्र से सुप्रीम कोर्ट ने पूछा सवाल**

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को एक याचिका दाखिल की गई जिसमें किसी दोषी को मौत की सजा दिए जाने पर दूसरे तरीके अपनाए जाने की मांग की गई। इस पर एससी ने केंद्र सरकार से कुछ सवाल पूछे हैं। मौत की सजा के लिए फांसी की जगह दूसरे तरीके अपनाए जाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट विचार करने को तैयार हो गया है। कोर्ट ने केंद्र से पूछा है कि क्या फांसी की प्रक्रिया तकलीफदेह है और क्या आधुनिक वैज्ञानिक तरीके उपलब्ध हैं, जो इससे बेहतर हो सकते हैं? चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच ने अटॉर्नी जनरल से 2 मई तक जवाब देने के लिए कहा है। कोर्ट ने इस बात का भी संकेत दिया है कि सरकार का जवाब आने के बाद मसले पर आगे विचार के लिए एक विशेषज्ञ कमिटी बनाई जा सकती है।

ऋषि मल्होत्रा नाम के वकील ने इसे एक क्रूर और अमानवीय तरीका है बताते हुए याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि फांसी की पूरी प्रक्रिया बहुत लंबी है। मौत सुनिश्चित करने के लिए फांसी के बाद भी सजा पाने वाले को आधे घंटे तक लटकाए रखा जाता है। याचिका में कहा गया है कि दुनिया के कई देशों ने फांसी का इस्तेमाल बंद कर दिया है। भारत में भी ऐसा होना चाहिए।

## केदारनाथ धाम में बर्फबारी पैदल रूट पर टूटा ग्लेशियर

**चार धाम यात्रा 2023 से पहले फिर आई आफत**

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** चार धाम यात्रा-2023 शुरू होने से पहले खराब मौसम लगातार मुसीबत बनता जा रहा है। उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में लगातार हो रही बारिश और बर्फबारी की वजह से यात्रा की तैयारी में जुटी जिला प्रशासन की टीमों की मुश्किलें भी बढ़ गई हैं। सबसे ज्यादा नुकसान केदारनाथ पैदल रूट पर हुआ है।

लगातार हो रही बर्फबारी की वजह से केदारनाथ धाम के पास भैरव गधेरा पर एक ग्लेशियर टूट कर पैदल मार्ग पर गिर गया। ग्लेशियर टूटने के बाद यात्रा की तैयारी में जुटी जिला प्रशासन की टीम को रोक दिया गया। केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को तीर्थ यात्रियों के लिए खुल रहे हैं।

यात्रा सीजन शुरू होने पर यूपी, राजस्थान सहित देश-विदेश से तीर्थ यात्री धामों के दर्शन को उत्तराखंड आते हैं। हालांकि, राहत की बात रही कि ग्लेशियर टूटने की वजह से किसी की भी जान नहीं गई। केदारनाथ धाम में तीसरे दिन भी जमकर बर्फबारी हुई। हालांकि यहां चारों ओर बर्फ की सफेद चादर बिछ गई है। बर्फबारी ने यात्रा तैयारियों को प्रभावित कर दिया है। मंगलवार को भीमबली तक बर्फबारी होती रही।

## बिहार इंटर परीक्षा : छात्राएं साइंस आर्ट्स और कॉमर्स में बनीं टॉपर

**पटना, (एजेंसी)।** बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम घोषित हो गया है। बिहार बोर्ड का कुल पास प्रतिशत 83.60 रहा है। वहीं, इस बार फिर बेटियों ने बाजी मारी है। लड़कों की तुलना में लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। तीनों संकायों में लड़कियां टॉपर बनी हैं। एक के पिता ने ऑटो तो दूसरे ने ई-रिक्शा चलाकर पढ़ाया, बेटियां बनीं स्टेट टॉपर बनीं हैं। इंटर कॉमर्स स्ट्रीम की दूसरी स्टेट टॉपर्स भूमि और तीसरी टॉपर पायल की इन दोनों बेटियों की कहानी एक जैसी है क्योंकि इनकी परवरिश गरीबी में हुई है और इनके पिता ने दोनों को ऑटो और ई रिक्शा चलाकर पढ़ाया-लिखाया है। सीतामढ़ी जिले के सुरसंड नगर पंचायत के वार्ड संख्या 2 निवासी ऑटो चालक मनोज कुमार की पुत्री भूमि कुमारी ने इंटर कॉमर्स के परीक्षा में बिहार राज्य में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। भूमि को 474 अंक मिले हैं। दूसरी ओर खगड़िया के जेएनकेटी इंटर विद्यालय की छात्रा पायल कुमारी भी कॉमर्स स्ट्रीम में बिहार में तीसरा स्थान पाया है। उसे 472 अंक मिले हैं।

## आपातकाल में कांग्रेस सरकार ने की थी लोकतंत्र की हत्या

**लोकतंत्र विजय दिवस पर केंद्रीय राज्यमंत्री कुलस्ते ने कहा**

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** केंदीय इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने कहा कि आपातकाल लगाकर तत्कालीन पीएम इंदिरा गांधी ने लोकतंत्र की हत्या कर दी थी। सवा लाख विपक्ष के नेताओं और कर्यकर्ताओं को जेलों में बंद कर जुल्म व ज्यादतियां की गई थी। श्री कुलस्ते मंगलवार को नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंसन सेंटर में 21 मार्च आपातकाल की समाप्ति पर लोकतंत्र विजय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

लोकतंत्र विजय दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को लोकतंत्र सेनानी संघ अध्यक्ष एवं सांसद कैलाश सोनी, संरक्षक पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ सत्यनारायण जटिया, बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, नई दिल्ली नगर निगम के उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय, संघ के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद राजेंद्र गहलोत, मुंबई के सांसद गोपाल शेट्टी, राज्यसभा सांसद अशोक वाजपेयी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ के सांसद अरुण साव, मप्र सांसद शंकर लालवानी आदि ने आपातकाल में कांग्रेस के नेताओं के जुल्म, ज्यादतियों का उल्लेख किया।

## केजरीवाल सरकार को राहत, दिल्ली के बजट को गृह मंत्रालय की मंजूरी

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** दिल्ली के बजट पर सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्रालय ने रोक लगा दी थी। उसके बाद से दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को बजट पेश न होने को लेकर भाजपा और आप के बीच सियासी घमासान देखने को मिला।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली के बजट को विधानसभा में पेश करने की मंजूरी दे दी है। दूसरी तरफ सियासी गलियारों में इस बात की भी चर्चा है कि अगर भाजपा-आप के बीच विवाद नहीं सुलझे और 31 मार्च 2023 तक बजट दिल्ली विधानसभा में पेश नहीं हुआ तो दिल्ली सरकार को विकट स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

बजट पेश न होने पर आप-भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप के लिए आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता राघव चड्ढा ने ट्वीटकर कहा है कि देश की आजादी के 75 साल के इतिहास में में पहली बार हो रहा है कि केंद्र सरकार दिल्ली की जनता द्वारा चुनी सरकार का बजट रोक रही है।

## पीएफआई पर जारी रहेगा बैन, यूएपीए ट्रिब्यूनल ने सरकार के फैसले को बताया सही

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** गैर कानूनी गतिविधि रोकथाम कानून (यूएपीए) के तहत गठित एक ट्रिब्यूनल ने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) को गैर कानूनी संगठन घोषित करने वाले केंद्र सरकार के फैसले की पुष्टि कर दी है। केंद्र सरकार ने गैरकानूनी संगठन घोषित करते हुए पीएफआई पर 5 साल का प्रतिबंध लगाया था।

इस्लामिक स्टेट (आईएस) जैसे वैश्विक आतंकवादी संगठनों से कथित रूप से संबंध होने और देश में सांप्रदायिक नफरत फैलाने के आरोप में बीते बरस 27 सितंबर को केंद्र सरकार ने पीएफआई पर 5 साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। वकीलों ने पुष्टि की कि ट्रिब्यूनल की अगुवाई कर रहे दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने फैसले में संगठन पर प्रतिबंध की पुष्टि की है। केंद्र ने पीएफआई और इसके सहयोगी या इससे संबंद्ध संगठनों पर रोक लगाई थी, जिसमें रेहाब इंडिया फाउंडेशन, कैंपस फ्रंट ऑफ इंडिया, ऑल इंडिया इमाम्स काउंसिल, नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइज़ेशन, नेशनल वूमंस फ्रंट, जूनियर फ्रंट, इंपावर इंडिया फाइंडेशन और रेहाब फाउंडेशन, केरल शामिल थे।

## उ.कोरिया की कई प्रमुख वेबसाइट हुई ऑफलाइन

**सोल, (एजेंसी)।** उत्तर कोरिया में सरकारी मीडिया आउटलेट और विदेश मंत्रालय सहित उत्तर कोरिया के कुछ प्रमुख विभागों और संस्थानों की वेबसाइट मंगलवार को किसी अज्ञात कारण से ऑफलाइन रहीं। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार सुबह नौ बजे तक आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी और मुख्य समाचार पत्र रोडोंग सिनमुन जैसे 'डॉटकेपी' से समाप्त होने वाले उत्तर कोरियाई डोमेन नामों की वेबसाइट ऑफलाइन रहीं।

### वॉल स्ट्रीट जर्नल की खबर

### उप्र सीएम योगी और आरएसएस प्रमुख की तारीफ

## अमेरिकी अखबार ने लिखा भाजपा दुनिया की अहम पार्टी

**नई दिल्ली, (एजेंसी)।** अमेरिका के प्रमुख अखबार, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने भारतीय जनता पार्टी को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण पार्टी बताया है। अमेरिका के प्रमुख शिक्षाविद् वाल्टर रसेल मीड के इस लेख में कहा कि अमेरिकी राष्ट्रीय हितों के नजरिए से, भाजपा दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण विदेशी राजनीतिक पार्टी है।

मीड ने लिखा है कि भाजपा लगातार तीसरी बार साल 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने की तरफ बढ़ रही है और आने वाले समय में भाजपा एक ऐसे देश में अपना दबदबा बना लेगी जिसकी मदद के बिना अमेरिका चीन की बढ़ती शक्ति को नहीं रोक पाएगा। मीड ने लिखा कि अमेरिका के राष्ट्रीय हितों के नजरिए से, भारत की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी विश्व की सबसे महत्वपूर्ण विदेशी पार्टी है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि भाजपा जो 2014 में सत्ता में आई थी, 2019 में भी सत्ता में आई और 2024 में फिर से जीत की ओर बढ़ रही है।

### योगी- भागवत भेंट का जिक्र

लेख में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात का जिक्र किया है। मीड ने लिखा कि भाजपा और आरएसएस के वरिष्ठ नेताओं और उनके कुछ आलोचकों के साथ गहन बैठकों के बाद, मैं यह पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अमेरिकियों और पश्चिमी लोगों को एक जटिल और शक्तिशाली आंदोलन के साथ और अधिक गहराई से जुड़ने की जरूरत है। हाशिए पर छोड़े गए बुद्धिजीवियों और धार्मिक उत्साही लोगों से मिलकर आरएसएस शायद दुनिया का सबसे शक्तिशाली नागरिक-समाज संगठन बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मोहन भागवत के साथ अपनी मुलाकात को याद किया।

### भारत के बिना नहीं रुकेगा चीन

लेखक आगे लिखते हैं कि भाजपा ऐसे समय में भारतीय राजनीति के शीर्ष पर है जब भारत एक आर्थिक शक्ति के रूप में उभर रहा है और जापान के साथ इंडो पैसिफिक में उसकी भूमिका अमेरिकी रणनीति के लिए बेहद महत्वपूर्ण हो गई है। निकट भविष्य में भाजपा एक ऐसे देश में निर्णायक भूमिका निभाएगी जिसकी मदद के बिना चीन की बढ़ती शक्ति को संतुलित करने के अमेरिकी प्रयास विफल हो सकते हैं। उनका कहना है कि चूंकि, भाजपा का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास बहुत से विदेशियों के लिए बिल्कुल अपरिचित है इसलिए इसे ठीक तरह से समझा नहीं गया है। चुनावों में भाजपा का प्रभुत्व राष्ट्रीय नवीनीकरण के सामाजिक आंदोलन की सफलता को दिखाता है।

## आईएमएफ ने श्रीलंका को तीन अरब डॉलर दिए

**नई दिल्ली,(एजेंसी)।** श्रीलंका को आर्थिक संकट से उबारने के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने उसके लिए तीन अरब डॉलर के राहत पैकेज को मंजूरी दी है। कोलंबो ने राहत पैकेज की सराहना करते हुए मंगलवार को इसे एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया।गौरतलब है कि श्रीलंका बेहद मुश्किल दौर से गुजर रहा है और आर्थिक तथा मानवीय संकट का सामना कर रहा है।

श्रीलंका की तरफ से एक बयान में बताया गया कि आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने अपनी विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) के तहत तीन अरब डॉलर की 48 महीने की विस्तारित व्यवस्था को सोमवार को मंजूरी दी। बयान में कहा गया कि ईएफएफ समर्थित कार्यक्रम का उद्देश्य श्रीलंका की व्यापक आर्थिक स्थिरता और ऋण स्थिरता को बहाल करना, गरीबों और कमजोर लोगों पर आर्थिक प्रभाव को कम करना, वित्तीय क्षेत्र की स्थिरता की रक्षा करना और शासन और विकास क्षमता को मजबूत करना है। बयान में आगे कहा गया कि कार्यकारी बोर्ड के निर्णय से 33.3 करोड़ डॉलर की तत्काल मदद संभव हो सकेगी।

# निर्णायक मुकाबले में भारत ऑस्ट्रेलिया के बीच जंग आज

## तीन मैचों की वनडे सीरीज में दोनों टीम 1-1 से बराबरी पर

**चेन्नई।** भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जा रहीं तीन मैचों की वनडे सीरीज का फैसला बुधवार को एम ए चिदंबरम स्टेडियम, चेपॉक में होने वाले तीसरे और अंतिम मैच से होगा। सीरीज में अभी दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। पहले मैच में भारतीय टीम को मोहम्मद शमी और मोहम्मद सीरीज की शानदार गेंदबाजी से जीत मिली, लेकिन दूसरे मैच में मिचेल स्टार्क के कहर बरपाते हुए भारतीय टीम के शीर्षक्रम को बिखेर दिया। इसके बाद बिना विकेट गंवाए मैच जीतकर सिराज बराबर की।

अंतिम मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए मिचेल स्टार्क की अगुवाई में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की चुनौती का सामना करने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। और नजरें सूर्यकुमार यादव पर लगी होंगी । स्टार्क यदि बल्लेबाजों के लिए सिरदर्द बना हुआ है तो मिशेल मार्श ने भारतीय गेंदबाजों की नींदें उड़ा रखी हैं। दो मैचों में वह करीब एक दर्जन छक्के लगा चुके हैं। भारतीय टीम का सबसे पहला एजेंडा मिचेल की चुनौती से पार पाना होगा। रोहित शर्मा, विराट कोहली, शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव की सितारा चौकड़ी को स्टार्क का सामना करने के लिये अपने पूरे अनुभव का उपयोग करना होगा। तकनीक में बदलाव के साथ मानसिक मजबूती के साथ भारतीय बल्लेबाजों को खेलना होगा। भारत में सीमित ओवरों का क्रिकेट सपाट पिचों पर खेला जाता है जिन पर बहुत अधिक फुटवर्क की जरूरत नहीं होती। फ्रंटफुट पर खेलकर बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन कर सकता है । लेकिन स्टार्क ने सारे समीकरण बदल दिए। उनकी गेंद या तो मिडिल स्टम्प या लेग मिडिल की तरफ पर पड़ रही है। भारतीय बल्लेबाज पिछले दोनों मैचों में उसकी गेंदों की थाह पाने में नाकाम रहे। मुंबई में स्टार्क को पिच से मदद मिली तो विशाखापत्तनम समुद्र के किनारे होने से हवा में नमी थी।

### पिच रिपोर्ट

चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले जाने वाले इस अहम मुकाबले की पिच को लेकर बात की जाए तो यहां पर स्पिन गेंदबाजों को मदद मिलते हुए काफी देखने को मिला है। हालांकि एक लंबे अंतराल के बाद इस मैदान पर कोई वनडे मुकाबला खेला जा रहा है, ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करने का फैसला कर सकती है ताकि पिच का सही से अंदाजा लगाया जा सके। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार को चेन्नई में अंतिम मैच के दौरान मैच से पहले बारिश होने का सिर्फ 16 फीसदी अनुमान है।

### चेपॉक में ऑस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड बेहतर

चेपॉक में भारतीय टीम ने अब तक 13 वनडे मैच खेले हैं, इनमें उसे 7 में जीत मिली है और 5 में हार का सामना करना पड़ा है। एक मैच बेनतीजा भी रहा । भारतीय टीम का इस मैदान पर जीत का प्रतिशत 58.33 रहा है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की टीम ने यहां पांच मुकाबले खेले हैं। इन पांच में से कंगारू टीम ने चार मुकाबलों में जीत दर्ज की है। वहीं एक में हार मिली हैं। ऑस्ट्रेलिया का इस मैदान पर जीत का प्रतिशत 80 रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने यहां भारत, जिम्बाब्वे, वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड को शिकस्त दी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें वनडे में इस मैदान पर दो बार आमने-सामने हुई है। स मैदान पर सबसे पहला मुकाबला ही भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था। अक्टूबर 1987 में हुए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने महज एक रन से भारत को शिकस्त दी थी। इसके 30 साल बाद सितंबर 2017 में जब यह दोनों टीमें टकराई तो भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 26 रन से पटखनी दी।अब 6 साल बाद टीम इंडिया के पास फिर से मौका है कंगारुओं को चित करने का और इस बार सीरीज भी दांव पर है।

### फिंच ने दिया सूर्याकुमार को स्टार्क से निपटने का सुझाव

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में सूर्यकुमार यादव लगातार दो मैच में वह पहली ही गेंद पर बिना खाता खोले लेपट आर्म पेसर मिचेल स्टार्क के शिकार बने। टी-20 में धमाल मचाने वाले सूर्या वनडे में लगातार विफल हो रहे हैं। उनकी लगातार असफलता पर पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने विश्लेषण किया है। फिंच ने कहा कि भारतीय बल्लेबाज को अपनी पारी की शुरूआती गेंदों में सतर्क रहना होगा। आरोन फिंच ने कहा, सूर्यकुमार को स्टार्क ने दो खूबसूरत गेंदें फेंकी, लेकिन वह जानते थे गेंद कहां आने वाली है। उन्हें अपनी पहली कुछ गेंदों में ज्यादा सतर्क होना होगा। भारतीय ओपनर शुभमन गिल भी खुद से निराश होंगे क्योंकि वह अपनी शानदार फॉर्म को वनडे सीरीज में नहीं भुना पा रहे हैं। शुभमन गिल पर फिंच ने कहा, मुझे लगता है कि एक-दो खराब शॉट खेलने के बाद वह निराश होंगे। खास तौर यह देखते हुए कि वह इतनी शानदार फॉर्म में हैं। यदि आप अच्छी गेंद पर आउट हो जाएं तो आप उसे स्वीकार कर सकते हैं लेकिन जब आप इतनी अच्छी फॉर्म में हों और इस तरह से आउट हो जाएं तो निराशा होती है।

# वर्ल्ड शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ

## भोपाल को खेल का हब बना कर रहेंगे

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में वर्ल्ड शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ रिमोट का बटन दबा कर किया। इस कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आइएसएसएफ) के अध्यक्ष लुसियानो रासी विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रदेश की खेल और युवा कल्याण मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया और नेशनल राइफल एसोसिएशन आफ इंडिया के अध्यक्ष रनिंदर सिंह, महासचिव कुंवर सुल्तान सिंह और मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डा. गोविंद सिंह के अलावा सहित विभिन्न देशों के खिलाड़ियों एवं प्रतिनिधियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इसी कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री शिवराज ने वर्ल्ड कप के लिए तैयार की गई वातानुकूलित इंडोर शूटिंग रेंज के वर्चुअल उद्घाटन के साथ ही नाथू बरखेड़ा में बन रहे अंतरराष्ट्रीय स्पोर्ट्स काम्पलेक्स का भूमि-पूजन भी किया। उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा खेलों के बिना जिंदगी अधूरी है बल्कि जिंदगी ही खेल है। भोपाल को खेल का हब बना कर रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आनंद विभाग बना है, लोग प्रसन्न रहें इसका ध्यान रखा जा रहा है। हम जो कहते हैं वह करेंगे। खेलों के लिए पैसे की कमी नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिथि देवो भवः हमारे देश की परम्परा है। भारत के हृदय प्रदेश में सभी अतिथियों और खिलाड़ियों को कोई असुविधा नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हम सब एक हैं। विश्व के कल्याण की परम्परा है। आप सब सुखी और निरोगी हों। उन्होंने कहा कि खेल केवल जीतने के लिए नहीं सीखने के लिए भी खेला जाता है। खेल तनाव दूर कर हमें प्रसन्न और स्वस्थ रखता है और प्रतिस्पर्धा बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश खेलों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। अभी हम इससे संतुष्ट नहीं हैं, हमें और आगे बढ़ना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं उत्कृष्ट खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर देती हैं।

### मध्यप्रदेश में हो सकती हैं अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं : सीएम

मुख्यमंत्री ने इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट्स फेडरेशन के प्रतिनिधि-मंडल ने मुख्यमंत्री निवास स्थित भवन समत्व में सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि-मंडल ने फेडरेशन के अध्यक्ष श्री लुचिआनो रॉसी, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री रणिंदर सिंह, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव श्री के. सुल्तान सिंह और चीफ कोच श्री मनझेर सिंह शामिल थे। मुख्यमंत्री भेंट के दौरान प्रतिनिधि-मंडल के सदस्यों ने भोपाल में शूटिंग स्पोर्ट्स के लिए मौजूद विश्व-स्तरीय अधो-संरचना और सुविधाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि भोपाल में स्पोर्ट्स टूरिज्म की पर्याप्त संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आई एस एस एफ वर्ल्ड कप के आयोजन से भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कराने की क्षमता से वैश्विक खेल समुदाय अवगत होगा।

# आईपीएल से बाहर हो सकते हैं जॉनी बेयरस्टो

**नई दिल्ली ।** आईपीएल 2023 के आगामी सीजन के शुरू होने से पहले पंजाब किंग्स को एक बड़ा झटका लग सकता हैं। टीम को स्टार खिलाड़ी इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो अपनी चोट से रिकवरी करने पर ध्यान लगाने की वजह से आईपीएल के पूरे सीजन से बाहर हो सकते हैं। बेयरस्टो पैर की चोट से अभी पूरी तरह से रिकवर नहीं हुए हैं।

33 साल के बेयरस्टो को पिछले साल सितंबर महीने में दोस्तों के साथ गोल्फ खेलते समय चोट लगी थी जिसमें उनका बायां पैर फ्रेक्चर होने के साथ टखना भी मुड़ गया था। इस चोट के बाद उन्हें लंदन में सर्जरी करवानी पड़ी थी। जॉनी बेयरस्टो जिनके पैर में सर्जरी के बाद मेटल की प्लेट डाली गई है वह अभी कुछ और समय के लिए मैदान से दूर रहने वाले हैं,। हालांकि बेयरस्टो को लेकर अभी तक इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और पंजाब किंग्स की तरफ से किसी तरह का कोई बयान जारी नहीं किया गया है। पंजाब शिखर धवन की कप्तानी में एक अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। पंजाब के पास धवन के अलावा विस्फोटक खिलाड़ी लियम लिविंगस्टन है। वहीं सैम करन को इस सीजन के लिए हुए ऑक्शन के दौरान टीम ने 18.50 करोड़ रुपए में अपनी टीम में शामिल किया था। पंजाब किंग्स के पास कगिसो रबाडा और नाथन एलिस के रूप में तेज गेंदबाज भी मौजूद हैं।

# प्रशिक्षण के लिए किर्गिस्तान, पोलैंड जाएंगे पूनिया, फोगाट

**नई दिल्ली।** युवा मामले और खेल मंत्रालय ने विश्व चैंपियनशिप मेडलिस्ट पहलवान बजरंग पुनिया को और विनेश फोगाट को क्रमशः किर्गिस्तान और पोलैंड में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए मंजूरी दे दी है।

मंत्रालय ने मंगलवार कहा कि बजरंग किर्गिस्तान के चोलपोन-अता में 16 दिनों के लिए प्रशिक्षण में हिस्सा लेंगे, जबकि विनेश 11 दिन के लिए पोलैंड के स्पाला जाकर ओलंपिक अभ्यास केंद्र में तैयारी करेंगी। मंत्रालय इस दौरान खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके कोच एवं फिजियोथेरेपिस्ट के आवागमन का खर्च भी वहन करेगा।

इस बीच, मंत्रालय ने बताया कि कुश्ती महासंघ की निगरानी समिति द्वारा आयोजित चयन ट्रायल के आधार पर एशियाई चैंपियनशिप 2023 में भाग लेने वाली भारतीय कुश्ती टीम के लिये एक राष्ट्रीय कोचिंग शिविर भी लगाया जायेगा। राष्ट्रीय शिविर को भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के सोनीपत क्षेत्रीय केंद्र में 22 मार्च से आठ अप्रैल तक आयोजित करने की योजना बनाई गई है। इस शिविर में 36 महिलाओं, 33 ग्रीको रोमन और 39 फ्रीस्टाइल पहलवानों सहित कुल 108 पहलवान शामिल होंगे।

## बिजनेस

# सरकार पर 155.8 लाख करोड़ रुपए का कर्ज

## वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया, जीडीपी का 57.3 फीसदी कर्ज

**नई दिल्ली।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि सरकार पर 155.8 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है, जो देश की जीडीपी का 57.3 फीसदी है। मार्च 2023 तक के आंकड़े रखते हुए उन्होंने बताया कि यह कर्ज फिलहाल देश के सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी की तुलना में 57.3 फीसदी के बराबर है। हालांकि, इसमें से विदेशी कर्ज सिर्फ 7.03 लाख करोड़ रुपए है, जो जीडीपी के 2.6 फीसदी के करीब है। वहीं, देश के कुल कर्ज में बाहरी विदेशी कर्ज करीब 4.5 फीसदी है। यह जीडीपी के 3.1 फीसदी के बराबर है। बाहरी कर्ज का बड़ा हिस्सा रियायती दरों पर द्विपक्षीय एजेंसियों के बीच हुए समझौतों के तहत लिया गया है। कर्ज के जोखिम की स्थिति के लिहाज से देखें, तो देश की वित्तीय स्थिति सुरक्षित है। सीतारमण ने बताया कि विनिमय दर की अस्थिरता और वैश्विक आर्थिक आघातों के प्रभावों से भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए रिजर्व बैंक ने सरकार के परामर्श से हाल ही में विदेशी मुद्रा फंडिंग के स्रोतों में विविधता लाने और विस्तार करने के लिए कई उपायों की घोषणा की है। विदेशी मुद्रा अनिवासी-बी खातों पर ब्याज दर नियमों में छूट के साथ स्वतः संचालित बाहरी उधार की सीमा को बढ़ाकर 1.5 अरब डॉलर किया गया है। वित्त मंत्रालय वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश की आर्थिक वृद्धि दर 2022-23 में सात फीसदी रह सकती है।? खुदरा महंगाई भी घटेगी।? वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा के मुताबिक, उच्च सेवा निर्यात से हुए लाभ, कच्चे तेल में नरमी और आयात आधारित खपत मांग में कमी से देश का चालू खाते का घाटा 2022-23 और 2023-24 में कम हो सकता है।

### भारत और जापान की अर्थव्यवस्था में तेज बढ़त

दुनिया की टॉप टेन अर्थव्यवस्थाओं में भारत और जापान तेजी से बढ़ रहे हैं। इन दोनों की जीडीपी कोरोना पूर्व स्तर से ज्यादा तेज से बढ़ी है। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के मुताबिक, 94 देशों की अर्थव्यवस्था कोरोना पूर्व स्तर से भी नीचे जा चुकी हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 में शीर्ष 10 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से अमेरिका, चीन, जर्मनी, यूके, फ्रांस, कनाडा, इटली और ब्राजील जैसे आठ देश महामारी के पूर्व स्तर से भी कम प्रदर्शन कर सकते हैं। चैंबर ने 2019, 2020, 2021 व 2022 के विकास दर और 2023 के अनुमानों के आधार पर अध्ययन किया है।

# सरकार ने घरेलू कच्चे तेल पर घटाया विंडफॉल टैक्स

**नई दिल्ली।** सरकार ने देश की पेट्रोलियम कंपनियों को बड़ी राहत दी है। केंद्र सरकार ने कच्चे पेट्रोलियम तेल के घरेलू उत्पादन पर होने वाले विंडफॉल टैक्स को 4400 रुपए प्रति टन से 900 रुपए घटाकर 3500 रुपए प्रति टन कर दिया। इससे पेट्रोल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल एटीएफ दोनों को निर्यात लेवी से मुक्त रखते हुए डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी को 0.50 रुपए से बढ़ाकर एक रुपए प्रति लीटर हो गया है। सरकार के इस फैसले से आम लोगों के लिए डीजल के रेट बढ़ गए हैं। ये नई दर 21 मार्च से प्रभावी होगी। सूत्रों के मुताबिक सरकार ने जो घरेलू कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स कम किया है। इससे देश में पेट्रोल-डीजल के कीमतें घटने की संभावना बढ़ गई है। सरकार ने घरेलू कच्चे तेल के निर्यात पर टैक्स को कम किया है। इसका मतलब है कि घरेलू बाजार में अब तेल की आपूर्ति में काफी सुधार हुआ है। इससे कंपनियां द्वारा पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कटौती करने की उम्मीद है। बता दें कि सरकार के इस कदम से घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि विंडफॉल टैक्स सिर्फ उसी तेल पर कम किया गया है, जिसका देश में उत्पादन हो रहा है। इससे पहले सरकार ने चार मार्च को सरकार ने स्थानीय रूप से उत्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर को 4350 रुपए प्रति टन से बढ़ाकर 4400 रुपए प्रति टन कर दिया था। हालांकि अब इसे घटा दिया गया। डीजल पर निर्यात शुल्क को घटाकर 0.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया और एटीएफ के लिए निर्यात शुल्क को खत्म कर दिया गया।

# मध्य प्रदेश के देवास, बैतूल और विदिशा में जियो 5जी लॉन्च

**मुंबई।** रिलायंस जियो की ट्रू 5जी सर्विस अब देश के 406 शहरों में पहुंच गई है। 5जी रोलआउट की स्पीड में रिलायंस जियो की प्रतिद्वंदी कंपनियां कहीं पीछे छूट गई हैं। 400 से अधिक शहरों में ट्रू 5जी नेटवर्क लॉन्च करने वाली जियो देश की पहली कंपनी बन गई है। नए लॉन्च किए गए अधिकांश शहरों में 5जी लॉन्च करने वाला रिलायंस जियो पहला टेलीकॉम ऑपरेटर है। मंगलवार को मध्य प्रदेश के देवास, बैतूल और विदिशा में जियो ट्रू 5जी सेवा शुरू हो रही है। अब तक जियो मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ के 25 शहरों में जियो ट्रू 5जी लांच कर चुकी है। 16 राज्यों केंद्र शासित प्रदेशों के 41 नए शहर जियो ट्रू 5जी से जुड़ गए। लॉन्च पर जियो के प्रवक्ता ने कहा, हमें विश्वास है कि हमारे नेटवर्क की ताकत ग्राहकों के जीवन को बेहतर बनाएगी। जियो अपनी ट्रू 5जी का तेजी से विस्तार कर रहा है। देश के अधिकांश हिस्से को हम कवर कर चुके हैं। यह हमारे लिए बेहद गर्व की बात है। डिजिटाइजेशन के हमारे प्रयासों को समर्थन देने के लिए हम राज्य सरकारों और प्रशासकों के आभारी हैं। 21 मार्च 2023 से नए जुड़े 41 शहरों में जियो उपयोगकर्ताओं को जियो वेलकम ऑफर के तहत आमंत्रित किया जाएगा।

# इस साल छह प्रमुख शहरों में कार्यालय स्थल की मांग 25-30 प्रतिशत घटेगी : रिपोर्ट

देश के छह प्रमुख शहरों में कमजोर मांग के चलते कैलेंडर वर्ष 2023 में पट्टे पर कार्यालय स्थल की मांग 25-30 प्रतिशत घटकर 3.5-3.8 करोड़ वर्ग फुट रहने का अनुमान है। संपत्ति सलाहकार कोलियर्स इंडिया और उद्योग निकाय फिक्की की एक रिपोर्ट कार्यालय क्षेत्र में उभरते रुझान एवं अवसर-2023 में यह अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल बेहतर मांग से शीर्ष छह शहरों में कुल कार्यालय स्थल की मांग बढ़कर 5.03 करोड़ वर्ग फुट रही। कैलेंडर वर्ष 2021 में कुल 3.29 करोड़ वर्ग फुट कार्यालय स्थल पट्टे पर दिया गया था। इन छह शहरों में दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और पुणे शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि सकारात्मक परिदृश्य में देश में इस साल लगभग कुल 3.5-3.8 करोड़ वर्ग फुट कार्यालय स्थल पट्टे पर दिए जाने की संभावना है। दूसरी ओर, कोलियर्स-फिक्की की रिपोर्ट के मुताबिक, निराशाजनक परिदृश्य में विपरीत आर्थिक परिस्थितियों का प्रभाव लंबे समय तक बना रह सकता है, जिससे सुधार में देरी होगी। कोलियर्स इंडिया के प्रबंध निदेशक (कार्यालय सेवाएं) पीयूष जैन ने कहा, वर्ष 2022 में पारंपरिक और लचीले स्थानों में वृद्धि मजबूत रही है क्योंकि लोग अपनी उपस्थिति का विस्तार करने के बारे में अधिक उत्साहित थे। वहीं, इस साल यानी 2023 में, कार्यालय बाजार के अनिश्चितता से भरे होने के बावजूद क्षेत्र विकास के लिए तैयार है, बशर्ते आर्थिक वातावरण अनुकूल बना रहे।

# पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

**मुंबई ।** पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल के मालिया मियाणा स्टेशन पर ट्रैफिक वर्क ऑर्डर के मद्देनजर कुछ ट्रेनों को डायवर्ट, आंशिक रूप से निरस्त और शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर के अनुसार 24 मार्च की ट्रेन संख्या 22951 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया विरमगाम जंक्शन ध्रांगध्रा-मालिया मियाणा के रास्ते चलेगी। 23 मार्च की ट्रेन संख्या 22952 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया मालिया मियाणा ध्रांगध्रा विरमगाम जंक्शन के रास्ते चलेगी। 24 मार्च की 14312 भुज-बरेली एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया सामाख्याली जंक्शन राधनपुर-पालनपुर जंक्शन के रास्ते चलेगी। 23 मार्च की 14311 बरेली-भुज एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया पालनपुर-राधनपुर-सामाख्याली के रास्ते चलेगी। 25 मार्च की गांधीधाम-कामाख्या एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया मालिया मियाणा-ध्रांगध्रा-विरमगाम के रास्ते चलेगी। 22 मार्चए 2023 की ट्रेन संख्या 15668 कामाख्या.गांधीधाम एक्सप्रेस डायवर्टेड रूट वाया विरमगाम-ध्रांगंध्रा-मालिया मियाणा के रास्ते चलेगी। शॉर्ट टर्मिनेटेड ट्रेनों में 24 मार्च की बांद्रा टर्मिनस-भुज एक्सप्रेस अहमदाबाद में शॉर्ट-टर्मिनेट होगी और अहमदाबाद एवं भुज स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। 25 मार्च की भुज-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस अहमदाबाद से यात्रा प्रारंभ करेगी और भुज एवं अहमदाबाद स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी। 24 मार्च की गांधीधाम-नागरकोइल एक्सप्रेस अहमदाबाद से यात्रा प्रारंभ करेगी और गांधीधाम एवं अहमदाबाद स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

### कार निर्यात बढ़ाएगा रेनॉ निसान अलायंस

**चेन्नई।** रेनॉ निसान अलायंस ने रेनॉ-निसान ऑटोमोटिव इंडिया द्वारा चेन्नई में निर्मित कारों को निर्यात करने के लिए कामराजर पोर्ट के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते पर निसान मोटर इंडिया के प्रेसिडेंट फ्रैंक टोरेस और कामराजर पोर्ट के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुनील पालीवाल, आईएएस ने किए। इस मौके पर रेनॉ इंडिया ऑपरेशंस के कंट्री सीईओ और प्रबंध निदेशक वेंकटराम मामिलपल्ले तथा आरएनएआईपीएल के प्रबंध निदेशक कीर्ति प्रकाश भी उपस्थित रहे। रेनॉ निसान अलायंस कामराजर पोर्ट के माध्यम से कारों का निर्यात शुरू करने वाली इस क्षेत्र की पहली कार विनिर्माता थी।

# प. रेलवे पर क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति बैठक

**मुंबई।** पश्चिम रेलवे की क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के प्रधान कार्यालय की ई-पत्रिका ई-राजहंस के 50वें अंक का विमोचन महाप्रबंधक द्वारा किया गया। साथ ही प्रसिद्ध कवयित्री महादेवी वर्मा की जयंती मनाई गई तथा उनके जीवन पर आधारित एक पीपीटी का प्रदर्शन भी किया गया। राजभाषा बैठक की अध्यक्षता करते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र ने कहा कि हर तिमाही के खत्म होने के अगले माह में उस तिमाही की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की जाए। प्रारंभ में पश्चिम रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी डॉ. छत्र सिंह आनंद द्वारा समिति के अध्यक्ष एवं पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक, सभी विभागों के प्रमुख विभागाध्यक्षों, और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत किया। बैठक में पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक प्रकाश बुटानी, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक शलभ गोयल, प्रमुख वित्त सलाहकार श्रीमती उमा रानडे, प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर हरीश गुप्ता, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक जगमोहन गर्ग, प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक चितरंजन, मुख्य सुरक्षा आयुक्त पीसी सिन्हा, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर उपस्थित थे।

### ऑप्टिमस की प्राइमबुक के साथ साझीदारी

**नई दिल्ली।** घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनी ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने प्राइमबुक के साथ साझीदारी की है। कंपनी विद्यार्थियों के लिए खास तौर पर डिजाइन और अपनी तरह के अनूठे मेड इन इंडिया लैपटॉप का विनिर्माण करेगी। इस गठबंधन से ओईएल के जरिये ओईएल लैपटॉप विनिर्माण बाजार में दस्तक देगी और इसकी शुरूआत वह विद्यार्थियों और सीखने वालों के लिए एंड्रॉयड 11 आधारित लैपटॉप प्राइमबुक 4जी से करेगी। ऑप्टिमस इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रबंध निदेशक ए गुरूराज ने कहा, इस साझीदारी के तहत ऑप्टिमस अगले वित्त वर्ष के अंत तक यानी मार्च, 2024 तक प्राइमबुक के लिए करीब एक लाख लैपटॉप का विनिर्माण करेगी।

कला जगत

डा. राजेन्द्र यादव

# हबीबजी के चहेते थे आंचलिक कलाकार

हबीब तनवीर जी छत्तीसगढ़ी लोक नाटकों का रस लेकर दर्शकों को जमीन से जोड़ने का काम किया। साथ ही शास्त्रीय नाटकों को भी बखूबी खेला। जैसे हिरमा की अमर कहानी लोक नाट्य परंपरा का आधार लेकर आगे बढ़ता हुआ आधुनिक काल तक पहुंचता है। इसके माध्यम से हबीब तनवीर ने अपनी सांस्कृतिक जड़ों को तलाशने की कोशिश की। वे नाचा के कलाकारों के स्फूर्त अभिनय प्रतिभा के कायल थे। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा था-ठाकुर राम से बड़ा अभिनय करने वाला मैंने आज तक नहीं देखा, वे प्रभावी अभिनय से दर्शकों में छाप छोड़ जाते थे। फिदाबाई की अदाकारी हमेशा प्रभावशाली रही। जोरदार आवाज और दबंग व्यक्तित्व से उसने अपनी प्रत्येक भूमिका को बेहद आकर्षक बनाया। मदन लाल के शरीर में कमाल की चुस्ती चालाकी फुर्ती के साथ समय का पाबंद उनके कला की जान रही है। लालूराम सुरताल के धनी थे, उनकी आवाज का उतार-चढ़ाव ओज से भरा हुआ होता था। बाबूदास की कामेडी एक अलग हैसियत रखती है। भुलवाराम यादव ने अपनी प्रतिभा का कमाल कई बार दिखाया। गोविंदराम निर्मलकर अभिनेता थे, तो देवलाल नाग ने बहुत कुशलतापूर्वक हारमोनियम बजाते और अभिनय करते हैं।

पुस्तक समीक्षा

# छत्तीसगढ़ में संगीतः एक परिचय

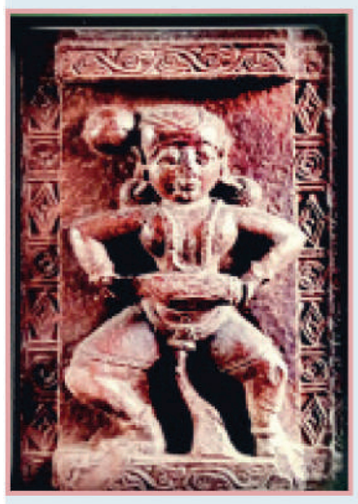

कृति के नाव
छत्तीसगढ़ में संगीत

कृतिकार
इंद्रजीत दास

समीक्षक
डा. अर्चना पाठक

प्रकाशक
सर्वप्रिय प्रकाशन नई दिल्ली

कीमत
तीन सौ पचास रूपए

हमारी सांगीतिक गतिविधियां कितनी समृद्ध रही हैं यह हमें कृति 'छत्तीसगढ़ में संगीतः एक परिचय' से जाना जा सकता है। रियासत काल से लेकर अंचल ने संगीत के क्षेत्र में जो सफर तय किए, उसका विस्तार से वर्णन हमें इस कृति में देखने मिल जाता है। संपूर्ण पुस्तक को छः अध्याय में विभाजित कर संगीत का इतिहास, दरबार की गायन, राज दरबार के संगीतकार, संगीत की कार्य शैली और रंगमंचों के इतिहास व वर्तमान परिपेक्ष्य में नाटकों की वास्तविकता व भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है। इस तरह का संग्रह दुर्लभ होता है, तथा ऐसा प्रयास करना भी अपने आपमें कठिन काम होता है। लेखिका ने अपने अथक प्रयास से इस कृति को जीवंत बनाने में कोई कमी नहीं की है।

राजनांदगांव जिले के अंतर्गत अंतागढ़ से आमाबेड़ा के वनाच्छादित प्रदेश के पर्वतों के शिखर पर एक छोटा सा सेमूरगांव है। गांव के पास एक छोटी सी नदी बहती है, जिसे पेनझोड़ी कहा जाता है। इसी पेनझोड़ी के किनारे एक टीले पर स्थित लिंगोदेव में मयूर पंख लगे हुए है। इसी आंगा पर लिंगो जीव सवार है जो तृणाच्छादित एक लोहखंड के रूप में है। हर तीन वर्ष के अंतराल में सेमुरगांव में लिंगो देव का मेला लगता है, इस अवसर विशेष रूप से भक्तों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है।

ऐतिहासिकः मोती राव

# सेमूरगांव में विशेष पूजा होती है आंगा देव की

छत्तीसगढ़ में आज भी प्राचीन काल के अनेक ऐतिहासिक महत्व के स्थल देखने को मिल जाते हैं। ऐसे ही स्थलों में राजनांदगांव जिले के अंतर्गत अंतागढ़ से आमाबेड़ा के वनाच्छादित प्रदेश के पर्वतों के शिखर पर एक छोटा सा सेमूरगांव है। गांव के पास एक छोटी सी नदी बहती है, जिसे पेनझोड़ी कहा जाता है। इसी पेनझोड़ी के किनारे एक टीले पर स्थित लिंगोदेव में मयूर पंख लगे हुए है। इसी आंगा पर लिंगो जीव सवार है जो तृणाच्छादित एक लोहखंड के रूप में है। लिंगो की वर्तुलाकार ग्रीवा में उसका पुत्र नेतूरगुण्डी घंटी के रूप में विराजमान हैं। लिंगो के सिंहासन के दाई ओर एक अर्धगोलाकृति कपालनुमा प्रस्तर खंड है, इसके ऊपर पालो (पुष्प) वस्त्र हैं। यहीं लिंगो देव के दो अस्त्र, अश्व और वर्तुलाकार दंड हैं। इस देव स्थल पर ध्यानावस्था में पुजारी आरूढ़ होता है। हर तीन वर्ष के अंतराल में सेमुरगांव में लिंगो देव का मेला लगता है, इस अवसर विशेष रूप से भक्तों द्वारा पूजा अर्चना की जाती है। मेले के समय संपूर्ण गोंडवाना के कोया वंशीय गोंड समुदाय जो बारह सगा शाखाओं में विभाजित हैं अपने अपने देवगणों के साथ देव पूजा में सम्मिलित होने के लिए पधारते हैं। इस उत्सव के समय मेले जैसा माहौल रहता है, तथा इस मेले में केवल आदिवासी ही अन्य समाज के लोग भी मेले में आकर अपनी धार्मिक प्रकट करते हैं।

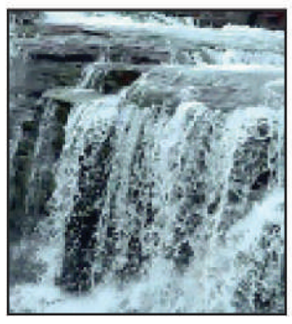

मन को लुभाते हैं

# कूटन जलप्रपात

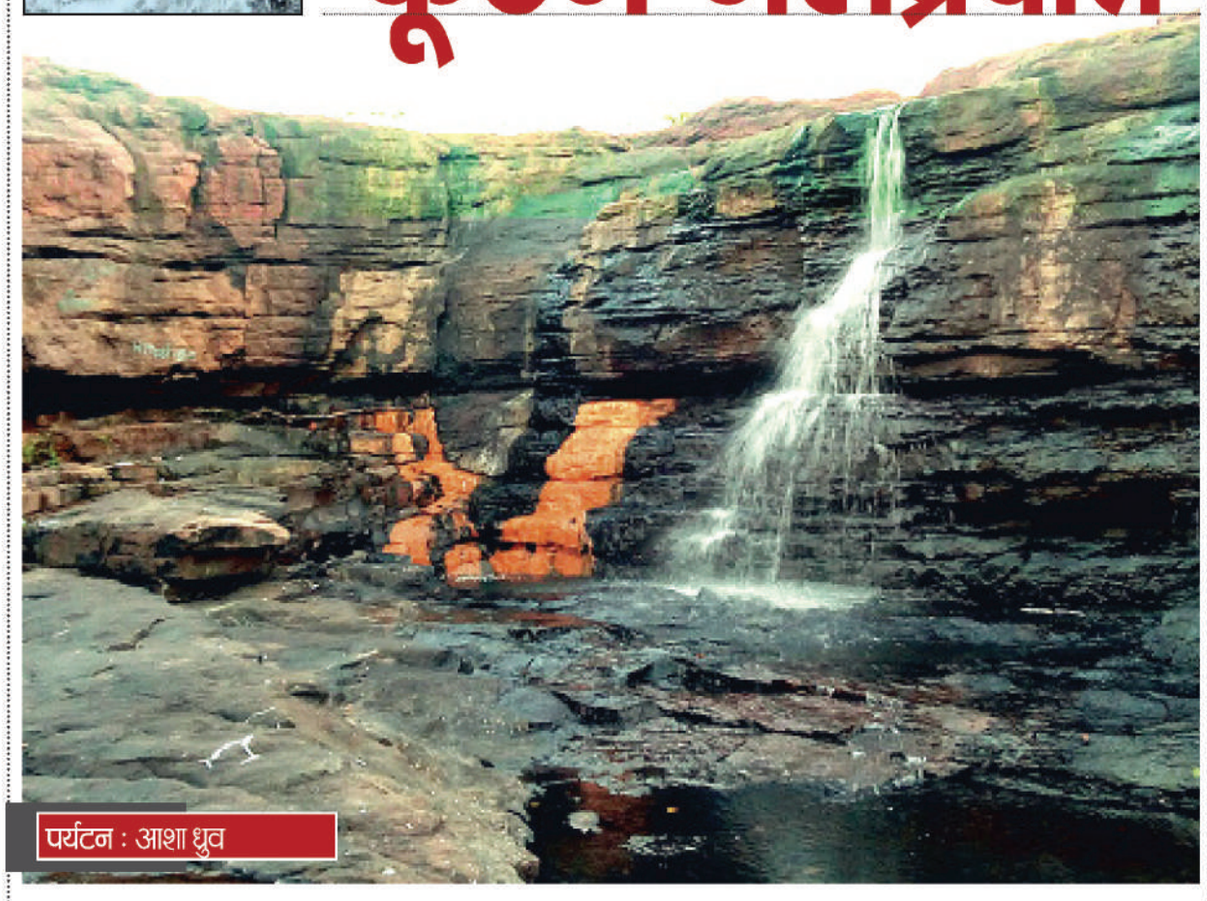

पर्यटन : आशा ध्रुव

छत्तीसगढ़ का कसडोल और बलौदाबाजार अंचल केवल ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्व के स्थलों के लिए ही नहीं जाना जाता। इसके साथ ही यहां प्रकृति के सुरम्य वादियों के बीच घने जंगलों का आनंद भी लिया जाता है। यहां कई नदी-नाले व झरने बरसात के दिनों में काफी मनमोहक लगने लगते हैं। ऐसे ही यहां प्रकृति की वादियों में कूटन जलप्रपात है जो जिला मुख्यालय कसडोल से मात्र दस किमी की दूरी पर है। यहां काफी ऊंचाई से गिरता पानी दूध जैसा प्रतीत होने लगता है। इस स्थान पर बड़े-बड़े काले और पीले रंग के चट्टान भी मन को आकर्षित करते हैं। वर्ष में लगभग छः से आठ महीने पर्यटकों का आना जाना यहां लगा रहता है। यहां के आसपास का वातावरण भी रमणीय है। शासन के नक्शे से यह स्थान अछूता है इसलिए पर्यटकों के लिए सुविधाओं का अभाव नजर आता है।

# छत्तीसगढ़ी भाषा के अस्तित्व पर मंथन

लोक साहित्य : सरला शर्मा

वैश्विकीरण के दौर में विश्व के बोली और भाषा में व्यापक असर देखा जा रहा है। भाषा और बोली के मूल रूप में परिवर्तन से इन्हें बचा पाना असंभव सा होने लगा है। हमारे आंचलिक साहित्य छत्तीसगढ़ी में देखें तो संस्कृत, हिन्दी और छत्तीसगढ़ी भाषाओं की लिपि देवनागरी है। ध्वनि आधारित होने के कारण उच्चारण भी सामान्य ही हैं, ऐसे में हमें लिपि और वर्णमाला में भेद नहीं करना चाहिए। भाषाई प्रगति के साथ-साथ छत्तीसगढ़ी के त्याज्य वर्णों का उच्चारण भी आज सहजतापूर्वक स्वीकार किया जाने लगा है। भाषा सतत प्रवाहमयी नदी की तरह है जिसमें समयानुसार नए शब्द जुड़ते रहते हैं, तभी गतिशीलता बनी रहती है। विश्व भाषा परिषद के अनुसार प्रतिवर्ष लगभग 20 भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। भाषाई संकट के युग में छत्तीसगढ़ के अस्तित्व की रक्षा के लिए वांछित प्रगति के लिए हमें दुराग्रह त्यागना होगा। यह निर्णय छत्तीसगढ़ी के सर्वांगीण विकास में सहायक तो होगा ही, साहित्य रचना के लिए भी अनुकूल होगा। वस्तुतः देवनागरी लिपि ही वह कड़ी है जो संस्कृत, हिन्दी और छत्तीसगढ़ी को जोड़े रखा है।

# जन सेवा के लिए समर्पित रहे दुर्गाचरण पटेल

सुरता : विद्यानंद तिवारी

छत्तीसगढ़ में कई दानवीर पुरूषों ने जन्म लिया। इन दानवीरों ने जन सेवा में अपना सब कुछ अर्पण कर दिया। ऐसे ही हमारे अंचल के एक पुरोधा दुर्गाचरण पटेल का जन्म मालगुजार परिवार गांव पटेलपाली में 12 फरवरी 1909 को निर्भय पटेल और लक्ष्मी बाई पटेल के घर इकलौते पुत्र के रूप में हुआ था। रायगढ़ जिला मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर आपका पटेलपाली सुविधाविहीन गांवों में रहा। आप विनोबा भावे के समाज सेवा से काफी प्रभावित हुए, और उनके पद चिन्हों पर चलकर आप जीवन भर समाज सेवा, शिक्षा तथा विकास के कार्यों में लगे रहे। सरदार पटेल की मूर्ति स्थापना अपने गांव में आपने कराई। देशभक्ति और देश सेवा आपमें कूट-कूट कर समाहित रही। आपने शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए घर में ही पुस्तकालय की स्थापना की थी। आपने कई एकड़ जमीन ग्राम विकास के लिए दान में दे दी। आपके किए गए कार्यों की चर्चा आज भी इन क्षेत्रों में होते रहती है। आप एक कुशल समाज सेवक, राजनीतिज्ञ, शिक्षा, संगीत और कृषि जगत में अपना सर्वस्व अर्पण कर 9 अक्टूबर 1983 को अपना भौतिक देह त्याग कर स्वर्गवासी हो गए।

गांव की कहानी

लालेश्वर सिन्हा

# राजा के ठहरने के कारण गांव का नाम हुआ राजाडेरा

धमतरी जिले के मगरलोड ब्लाक में राजाडेरा ग्राम स्थित है। बस्तर के राजा-रानी इस स्थल से गुजरते समय रात्रि विश्राम किए थे, इसलिए उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए इस गांव का नाम राजाडेरा रखा गया। राजा और रानी गांव के तालाब के घाट में जिस शिला पर स्नान किए, उस स्थान को राजा-रानी शिला और राजा-रानी घाट कहा जाता है।

प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण वनस्थली में छोटा सा राजाडेरा ग्राम धमतरी जिले के मगरलोड ब्लाक में स्थित है। इसके समीपस्थ ग्राम में सोनभट्टी, पिपरौद, बाथामुड़ा एवं पठार से मरकाटोला नाला का अनुपम संगम है। यहां के निवासियों का मुख्य देव नाग देवता और सोनादाई हैं। इस स्थान पर प्रति वर्ष चैत्र माह में जातरा पूजा की जाती है। इस जातरा पूजा में परसाबुडा, रेंगाडीह, बूढ़ाराव, मड़ेली, बकोरी, पिपरौद, सोनारिन दैहान और चारभाठा ग्रामवासी सम्मिलित होते हैं। यहां के देव स्थल को पवित्र बनाए रखने के लिए वर्ष भर किसी भी अशुद्धि कार्य से बचने के लिए शुद्ध रखा जाता है, नहीं तो अनिष्ट होने की संभावना बनी रहती है। मान्यता है कि बस्तर के राजा-रानी इस स्थल से गुजरते समय रात्रि विश्राम किए थे, इसलिए उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए इस गांव का नाम राजाडेरा रखा गया। राजा और रानी गांव के तालाब के घाट में जिस शिला पर स्नान किए, उस स्थान को राजा-रानी शिला और राजा-रानी घाट कहा जाता है। आज भी यह क्षेत्र वनों से घिरा है तथा अनेक प्रजाति के दुर्लभ जड़ीबूटी इस स्थल पर मौजूद हैं। वर्ष भर दूर-दूर से भक्त इस गांव में देवों के प्रति अपनी आस्था प्रकट करने आते हैं और मनोवांछित फल प्राप्त करते हैं।

# जिला जज संग डीएम एसपी ने किया जेल का निरीक्षण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिला जज संजय कुमार-7, जिलाधिकारी आर्यका अखौरी एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह द्वारा संयुक्त रुप से जिला जेल का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एंव पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार मे चिकित्सालय, महिला एंव पुरूष बैरक, रसोई घर, का निरीक्षण किया तथा कारागार में लगाये गए सीसीटीवी की संचालन व्यवस्था की जॉच की। जिलाधिकारी ने कारागार चिकित्सालय मे भर्ती कैदियों से बीमारियो के सम्बन्ध मे पूछा तथा उनके खान-पान एवं साफ-सफाई की जानकारी ली। जिला कारागार के हवालात कार्यालय के स्टाक रजिस्टर की जांच की गयी, इसके पश्चात बारी-बारी से सभी बैरको का निरीक्षण किया गयां। बैरको मे बन्दियो के कार्ड पर अगली पेशी का दिनांक को चेक किया गया। कारागार मे रसोई घर के निरीक्षण मे प्रत्येक दिनं बनने वाले भोजन के मीनू की जानकारी ली। पुलिस अधीक्षक ने जेल अधीक्षक को निर्देश दिया कि जेल के अन्दर किसी भी दशा मे मोबाइल का प्रवेश न होने पाये इसके लिए रोस्टर बनाकर चेंकिग अभियान चलाकर चेक किया जायं इसके अतिरिक्त महिला बन्दी गृह मे दी जा रही सुविधाओ के बावत जानकारी भी ली। उसके उपरान्त जिला जज एवं जिलाधिकारी द्वारा स्व0 शिवपूजन पाठक बालिका गृह रस्तीपुर सैदपुर, पं0 भोलानाथ मिश्र बालगृह (बालक) बड़ागॉव सैदपुर का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चो से पूछताछ की उनके समय पर नाश्ता, खान-पान की जानकारी ली, उन्होंने रसोई भी चेक किया। निरीक्षण के दौरान जिला जज ने कहा कि प्रत्येक दिन की खाने की वस्तु का चार्ट मीनू दीवार पर लगा होना चाहिए, उन्होंने शौचालय में साफ-सफाई एवं हार्पिक, साबुन, हैण्डवाश, मच्छरों के लिए छिड़काव आदि की व्यवस्था करना सुनिश्चित करते हुए विशेष ध्यान दिया जाय। बच्चो के प्रत्येक रूम में सीसीटीवी कैमरा लगाने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी महोदय ने बालक/बालिकाओ से उनका हाल जाना। उसके बारे में जानकारी भी ली। उन्होने कहा कि किसी भी बालक के साथ उत्पीड़न अथवा परेशानी न होने पाय। उन्होने कहा कि बच्चों के सम्पूर्ण विकास में खेलकूद, मनोरंजन, सांस्कृतिक गतिविधियों, विज्ञान का बड़ा हाथ होता है। इसलिए हर बच्चे को खेलकूद तथा कलात्मक, सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने का अधिकार है। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सैदपुर, जिला प्रोबेशन अधिकारी अधिकारी संस्था के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## विश्व कविता दिवस पर हुई गोष्ठी

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विश्व कविता दिवस और विश्व वानिकी दिवस पर आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने अपने काव्य का वाचन किया। प्रो. वीबी तिवारी ने बचपन में लिखी कविता को सुनाया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भी काव्य पाठ किया। कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य ने कहा कि परिसर की हरियाली के लिए विश्वविद्यालय प्रयासरत है। इस कार्य में सभी शिक्षक और विद्यार्थी सहयोग करें। इस अवसर पर प्रो. अविनाश पाथीर्डेकर, डा. आशुतोष सिंह, डा, रसिकेश, डा, अमित वत्स, डा. मंगला प्रसाद आदि उपस्थित थे।

# विद्यार्थी स्वास्थ्य के प्रति रहे सचेतः प्रो. निर्मला एस. मौर्य

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित श्रीनिवास रामानुजन अनुसंधान भवन और विश्वकर्मा छात्रावास में मंगलवार को नवनिर्मित व्यामशाला का उद्घाटन कुलपति प्रो. निर्मला एस.मौर्य ने किया।इस अवसर पर कुलपति प्रो. मौर्य ने कहा कि स्वस्थ शरीर से ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है। जिम के माध्यम से युवाओं को व्यायाम करने और अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि संतुलित शरीर के लिए जिम की उपयोगिता वर्तमान समय में काफी बढ़ गई है। छात्रावास में क्रॉस ओवर जोकि चेस्ट के मध्य तक की एक्सरसाइज कराता है। मस्कुलर मेकर पूरे बॉडी के मसल को ठीक करता है। इसी तरह पेक- डेक फ्लाई समेत दर्जनों उपकरण जिम में लाए गए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित भी किया। समारोह का संचालन वार्डेन सुशील कुमार और धन्यवाद ज्ञापन संचालन डा.नीतेश जायसवाल ने किया। चीफ वार्डेन प्रो. रजनीश भास्कर ने सभी आगन्तुकों का स्वागत किया। इस अवसर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, प्रो बी बी तिवारी, प्रो राम नारायण, प्रो मानस पाण्डेय, प्रो ए के श्रीवास्तव, डॉ मनोज मिश्र, डॉ सुनील कुमार, डॉ अमरेन्द्र सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डा. रसिकेश, सहायक कुलसचिव अमृत लाल, अजीत सिंह, बबिता, डॉ प्रवीण सिंह, डॉ धर्मेन्द्र सिंह, दिव्येद् मिश्र समेत शिक्षक उपस्थित थे।

## अरविंद कुमार को बनाया गया पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ का जोनल अध्यक्ष

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ का द्विवार्षिक महाधिवेशन का दूसरा दिन नई कार्यकारिणी के गठन एवं संरक्षा सेमिनार के साथ संपन्न हुआ ` पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन के दूसरे दिन के मुख्य अतिथि सैयदराजा के विधायक सुनील सिंह रहे उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ के प्रतिनिधियों से जुड़ाव पूर्व से भी रहा है कर्मचारियों समस्याओं को सरकार के सामने रखेंगे एवं शीघ्र समाधान का प्रयास करेंगे। प्रस्ताव सत्र में मंडल अध्यक्ष अरविंद कुमार ने कहा कि कार्यनुरुप पदों की समीक्षा एवं नए पदों का सृजन तथा रिक्त पदों को शीघ्र भरने की कार्यवाही की जानी चाहिए` आज संरक्षा सेमिनार का आयोजित हुआ जिसमें संरक्षित संचालन में श्रमिक संगठनों की भूमिका विषयक चर्चा हुई। इस परिचर्चा में संघ के प्रतिनिधियों के अलावा मुख्य संरक्षा सलाहकार उपेंद्र तिवारी एवं मुख्य क्रु कंट्रोलर बसंत उरमा ने भाग लेकर संरक्षा सूत्र बताएं साथ ही खाली पदों के कारण कर्मचारियों को नियमित विश्राम, छुट्टी न मिलना, कार्यनुरूप पदों पर

कर्मचारी उपलब्ध न होना एवं प्रशासनिक दबाव में संरक्षा के विरुद्ध कार्य करवाना दुर्घटना के मुख्य कारण होते हैं जिसे रोकने के लिए कर्मचारी प्रतिनिधियों ने प्रशासन पर दबाव बनाकर हल कराने का संकल्प लिया` अधिवेशन के अंतिम सत्र में पूर्वोत्तर रेलवे श्रमिक संघ की जोनल इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन हुआ जिसमें अरविंद कुमार को अध्यक्ष, बजरंगी दुबे महामंत्री ,राजेश कुमार उपाध्यक्ष, संजय त्रिपाठी संगठन मंत्री, कामेश्वर दुबे सहायक मंत्री,पीके सिंह कार्यसमिति सदस्य, युगेश कुमार मल्ल कार्यसमिति सदस्य रीता मिश्रा को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारियां सौंपी गई नई कार्यकारणी के अध्यक्षीय संबोधन में अरविंद कुमार ने सभी प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया की एकजुटता से कार्य करें निश्चित रूप से कर्मचारी समस्याओं और ठढर की समाप्ति में सफलता मिलेगी कार्यक्रम को निम्न प्रतिनिधियों ने संबोधित किया जिसमें की विकास केसरी ,रंजीत कुमार ,विवेकानंद सिंह, हरिनारायण शर्मा ,सर्वेश पांडे , सिल्वेस्टर मींज ,राकेश गिरी, विकास नारायण वर्मा, अयोध्या गुप्ता सहित इत्यादि लोग रहे।

## पथ विक्रेता (जीविका संरक्षण तथा विक्रय विनियमन) अधिनियम 2014 का अनुपालन करें जिला प्रशासन - अभिषेक निगम

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नगर निगम मुख्यालय पर फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम के नेतृत्व में स्ट्रीट वेंडरों समक्ष प्रतिदिन उत्पन्न हो रही समस्याओ को लेकर नगर आयुक्त नगर निगम वाराणसी को ज्ञापन सौंपा फेरी पटरी ठेला व्यवसायी समिति सचिव अभिषेक निगम कहा कि अत्यंत खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि जहां एक ओर भारत सरकार अधिनियम पथ विक्रेता 2014 के अंतर्गत शहर में वेंडिंग जोन बनाकर पटरी व्यवसायियों को व्यवस्थित किया जाना है और पटरी व्यवसायियों के उत्थान हेतु प्रधानमंत्री जी दृण संकल्पित है वहीं दूसरी ओर जी -20 के नाम पर व्यवस्थित ढंग से वेंडिंग जोन में पूरी स्वच्छता के साथ अपनी जीविकोपार्जन कर रहे पटरी व्यवसायियों को बिना टी.वी.सी. को संज्ञान में लिए उजाड़े जाने का कार्य किया जा रहा है जो कि नियम विरुद्ध के साथ- साथ प्रधानमंत्री जी की महत्वकांक्षी योजनाओं के खिलाफ भी है उक्त के साथ-साथ अधिकारियों द्वारा यह भी कहा जाना कि 4 से 5 माह तक दुकानें नहीं लगेंगे और भी वेंडिंग जोन की घोषणा अहस्ताक्षरित है प्रशासन की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न चिन्ह लगा रहा है पटरी व्यवसायियों के समक्ष ऐसी परिस्थितियों का सामना करने के लिए टाउन वेंडिंग कमेटी के अध्यक्ष आप महोदय से गुहार लगाने के अलावा और कोई विकल्प शेष नहीं है और यदि आप द्वारा भी अधिनियम के वैधानिकता के तहत कोई ठोस एवं स्पष्ट रास्ता नहीं निकला जाता तो ऐसी स्थिति में शहर के पटरी व्यवसायियों के पास सिवाय आंदोलन के कोई दूसरा रास्ता नहीं दिखाई दे रहा है। फेरी पटरी ठेला व्यसायी ने गुहार लगाते हुए कहा की उक्त प्रकरण पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए अधिनियम के अनुरूप पटरी व्यवसायियों का अनुरक्षण करने का कष्ट करें। नगर आयुक्त ने कहा कि अपर नगर आयुक्त सुमित कुमार के नेतृत्व में एक टीम सभी वेंडिंग जोनों का जाकर तत्काल निरीक्षण करेगी और नगर निगम प्रशासन की तरफ से किसी भी तरह का उत्पीड़न नहीं किया जाएगा और हटाए गए स्ट्रीट वेंडरों को पुनर्स्थापित किया जायेगा। नगर निगम प्रशासन द्वारा किसी भी रेहड़ी पटरी ठेला व्यवसायियों की आजीविका को संकट में नहीं डाला जायेगा टाउन वेंडिंग

कमेटी की बैठक को लेकर उन्होंने अपर नगर आयुक्त को निर्देश दिया की तत्काल प्रभाव से टाउन वेंडिंग कमेटी की बैठक सुनिश्चित करें। ज्ञापन सौंपने में प्रमुख रूप से अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर सिन्हा, संरक्षक प्रकाश कुमार श्रीवास्तव,अनमोल निगम, सुभाष भारद्वाज, रामचंद्र प्रजापति, सुरेंद्र यादव, लक्ष्मण राय, नरोत्तम प्रसाद, धर्मराज गुप्ता, विकास यादव, मुन्ना खान, मनोज कुमार, विजय यादव, अजीत सिन्हा, नूर मोहम्मद, वकील सोनकर, अरविंद मौर्या, मंतोष मांझी, शीला देवी, पार्वती देवी, अर्चना चंदवानी,पूजा रामलख्यानी, अनूप गुप्ता, लक्ष्मण केसरी समेत हजारों पर व्यवसाई मौजूद थे।

# उपजिलाधिकारी को 13 सूत्रीय मांगो का सौंपा ज्ञापन

प्रखर कुशीनगर। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की तमकुहीराज इकाई ने उपजिलाधिकारी को 13 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन सौंपते हुए समस्याओं का निराकरण करने की मांग की है। उप्र लेखपाल संघ तमकुहीराज तहसील के अध्यक्ष शैलेश मिश्र, मंत्री रजनीश उपाध्याय के नेतृत्व में तमाम लेखपालों ने मंगलवार को उपजिलाधिकारी तमकुहीराज विकास चन्द्र को 13 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन सौंपा। जिसमें मांग करते हुए कहा कि 1430 फसली के फसलों के पड़ताल हेतु खसरे का प्रिन्ट बार-बार अनुरोध करने के उपरान्त भी अभी तक उपलब्ध नही कराया गया है जबकि अन्य तहसीलों में उपलब्ध कराया जा चुका है। डी०ए० का एरियर जो जुलाई 2021 से नवम्बर 2021 एवं जुलाई 2022 से सितम्बर 2022 का समस्त बकाया भुगतान किया जायें। वरासत के आदेश कम्प्यूटर मे शत प्रतिशत फीड कराये जायें एवं इसकी उद्धरण खतौनी संबंधित लेखपाल को उपलब्ध कराया जाय ताकि मृतक के वारिस को सूचनार्थ प्राप्त कराया जा सकें। कम्प्यूटर खतौनी में अंकित होने वाले आदेशों का चिप्पण उपलब्ध कराया जायें, ताकि खतौनी पर चस्पा किया जा सकें। सेवा पुस्तिका एवं जी०पी०एफ० पासबुक को अद्यतन किया जायें। लेखपालगण को तहसील परिसर में बैठने की व्यवस्था एवं महिला

लेखपालगण के लिए शौचालय की समुचित व्यवस्था करायी जायें। ड्रोन सर्वे में प्रारूप-5 की फीडिंग के बाद प्रिन्ट कार्यालय से उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराने का कष्ट करें। पारिवारिक लाभ योजना के आवेदन का समय से प्रिन्ट उपलब्ध कराया जायें।ई0डब्लूएस० एवं अन्य प्रार्थना पत्रों का संकलन कर राजस्व निरीक्षक के मध्य से उपलका / जमा कराया जायें। देवचन्द प्रसाद, लेखपाल को तत्काल सवेतन बहाल कराया जायें।हस्तान्तरण रिपोर्ट न मिलने के कारण त्रुटिपूर्ण नामान्तरण आदेश पारित हो जाने के कारण लेखपालों का उत्पीडन हो रहा है। अतः हस्तान्तरण रिपोर्ट समय से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाये। सरकारी कार्य करते समय क्षेत्र में लेखपालों से अभद्रता हो जाने की स्थिति में प्रभावी कार्यवाही किया जाना सुनिश्चित हो। कन्हैया प्रसाद, लेखपाल द्वारा दिनांक- 17 मार्च को महोदय को संबोधित प्रार्थना पत्र पर आदेश के बावजूद सेवरही पुलिस द्वारा कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं किया गया है। कृपया पुनः निर्देशित कर कार्रवाई कराया जाय। इस दौरान तहसील संरक्षक अशोक वर्मा, मुकेश कुमार, खालिद सिद्दीकी, रामप्रवेश सिंह, ओमप्रकाश, अश्विनी राय, अर्जुन कुशवाहा, भृगुनाथ प्रसाद, दीपू जायसवाल आदि पदाधिकारी व लेखपाल मौजूद रहे।

# पुरानी पेंशन बहाली को लेकर केंद्र व राज्य के कर्मचारियों ने संयुक्त रूप से प्रधान डाकघर कैण्ट नदेसर से जिला मुख्यालय तक रैली निकाला

प्रखर वाराणसी। "पुरानी पेंशन व्यवस्था" बहाली को लेकर केंद्र व राज्य कर्मचारी समन्वय मंच बैनर तले राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश एक रैली प्रधान डाकघर कैण्ट नदेसर से जिला मुख्यालय तक निकालकर सरकार का ध्यानाकर्षण कराते हुए आर-पार की लड़ाई की चेतावनी दिया हेतु रैली में नार्दन रेलवे मेंस यूनियन ,बी एल डब्लू नार्दन रेलवे मेंस यूनियन,केंद्रीय सरकारी कर्मचारी समन्वय समिति, अखिल भारतीय डाक कर्मचारी संघ, रेल डाक सेवा कर्मचारी संघ ,खादी ग्राम उद्योग कर्मचारी संघ, डिफेंस सिविलयन एम्पलाइज यूनियन, उत्तर प्रदेश मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस एसोसिएशन, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ,राज्य कर्मचारी महासंघ ,चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ एवं विशिष्ट बीटीसी वेलफेयर एसोसिएशन, कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ आदि संगठनों के हजारों की संख्या में कर्मचारियों, शिक्षकों ने भाग लिया।और संकल्प लिया जब तक पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल नहीं हो जाती तब तक कोई कर्मचारी शान्त नहीं बैठेगा चाहें जो भी कुबार्नी देनी पड़े हम सब सहर्ष तैयार है। रैली का नेतृत्व कर रहे कर रहे शशिकान्त श्रीवास्तव समन्वय मंच के संयोजक व जिलाध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने बताया कि पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाली के लिए सभी कर्मचारीगण श्री शिव गोपाल मिश्र राष्ट्रीय महासचिव नार्दन रेलवे मेंस यूनियन एवं इंजिनियर हरि किशोर तिवारी जी प्रदेश अध्यक्ष राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रति आस्था ब्यक्त करते हुए अन्तिम दम तक संघर्ष करेगा क्योंकि कोई भी कर्मचारी नई पेंशन योजना से संतुष्ट नहीं हैं केन्द्र सरकार को एन पी एस वापस लेकर पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल कर देनी चाहिए, यही हमारी प्रमुख मांग है।रैली में पुरानी पेंशन के समर्थन नारे लिखी तख्तियां और नारे लगाते हुए भारी संख्या में पुरुष व महिला कर्मचारी अनुशासित तरीके से चल रहे थे, रैली वरुणा पुल ,जे पी मेहता, विकास प्राधिकरण, कमिश्नर आवास होते हुए जनपद मुख्यालय पर पहुंच कर प्रदर्शन करते हुए संक्षिप्त सभा की और आगामी लिए गए आन्दोलनो का समर्थन दिया गया। नेतृत्व कर रहे सहसंयोजक सुनील कुमार सिंह (सचिव नार्दन रेलवे मेंस यूनियन),एन बी सिंह(मण्डल मन्त्री, एन ई रेलवे मजदूर यूनियन), प्रदीप कुमार शर्मा,अरविन्द श्रीवास्तव (सचिव रेलवे मेंस यूनियन बी एल डब्लू) ,ने संयुक्त रूप से बताया कि पुरानी पेंशन व्यवस्था को सरकार को हर हाल में बहाल करना पड़ेगा वरना चक्का जाम जैसा कठोर निर्णय भी लेना पड़ सकता है जिसकी जिम्मेदारी सरकार की ही होगी। रैली में महिमा दत्त द्विवेदी, राजेश्वर पाण्डेय (संरक्षक राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद), दिनेश सिंह अध्यक्ष एवं दिलीप कुमार श्रीवास्तव (मंत्री कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ) सुभाष शाह (महासचिव,केंद्रीय कर्मचारी समन्वय समिति) , पी के दत्ता (महासचिव खादी ग्रामोद्योग आयोग कर्मचारी संघ), इंद्रजीत प्रसाद (महासचिव यूपी एमईएस वर्कर्स यूनियन), यशोवर्धन त्रिपाठी (अध्यक्ष विशिष्ट बीटीसी वेलफेयर एसोसिएशन), दिनेश कुमार सिंह (अध्यक्ष विकास भवन कर्मचारी संघ )पवन कुमार चौहान, संयुक्त मंत्री, बृजेश यादव श्री प्रकाश श्रीवास्तव(जोनल मन्त्री चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ), रविशंकर प्रजापति,महेश त्रिपाठी,आलोक दूबे(सिंचाई राजस्व अधिकारी संघ) हरेंद्र यादव, मनोज कुमार, अध्यक्ष, वाचस्पति मिश्रा मंत्री, राकेश श्रीवास्तव (नगर निगम कर्मचारी संघ), गीता उपाध्याय, आरती शास्त्री, महेश श्रीवास्तव, वेद प्रकाश सिंह,अमित सिंह, श्री प्रकाश श्रीवास्तव, शशिकांत सिंह,सत्य प्रकाश श्रीवास्तव पूर्वांचल उप सचिव अरविन्द दूबे मंडल अध्यक्ष दिवाकर द्विवेदी, जिला मंत्री श्यामराज यादव, मंडल मंत्री दीपेंद्र कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ पाण्डे,अमर सिंह(पूर्व संयुक्त सचिव बरेका), उपस्थित रहे।

## पीएम के आगमन के पूर्व भाजपा संगठन के निदेर्शानुसार भाजपा रामनगर मंडल ने चलाया स्वच्छता अभियान

प्रखर रामनगर वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी मंडल रामनगर आज दिनांक 22 मार्च 2023 दिन बुधवार सुबह 8:00 बजे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी जी का काशी आगमन के पूर्व भाजपा संगठन के निदेर्शानुसार आज भाजपा रामनगर मंडल ने कैंट विधानसभा के यशश्वी युवा विधायक आदरणीय श्री सौरव श्रीवास्तव जी भाईसाहब के नेतृत्व में नई बस्ती गोलाघाट स्थित अंबेडकर पार्क में बृहद स्वच्छता अभियान चलाने के पश्चात संत शिरोमणि रविदास जी की प्रतिमा एवं अंबेडकर जी की प्रतिमा को माननीय विधायक जी ने नहला कर माल्यार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया।कार्यक्रम को भाजपा रामनगर मंडल की टीम ने पूरी ऊर्जा के साथ स्वच्छता अभियान कार्यक्रम सम्पन्न कराते हुए आदरणीय मोदी जी की जनसभा में अधिक से अधिक संख्या में चलने का आह्वान किया। प्रमुख रूप से कैंट विधानसभा प्रभारी एवं महानगर

उपाध्यक्ष श्री अभिषेक मिश्रा मंडल अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह संतोष द्विवेदी निवर्तमान सभासद नंदलाल चौहान अजय कुमार राजकुमार सिंह विनोद पटेल सुनील गुप्ता सृजन श्रीवास्तव मनोज यादव रितेश पाल गौतम संजय बाल्मिकी दुर्गा साहनी राहुल गौतम उमेश यादव मंजू देवी राहुल गुप्ता हंसराज प्रजापति प्रमुख रूप से उपस्थित रहें।

## संक्षिप्त खबरें

### भारतीय पथ विक्रेता संघ वाराणसी द्वारा जिलाधिकारी वाराणसी को दिया गया ज्ञापन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। भारतीय पथ विक्रेता संघ वाराणसी उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी वाराणसी से मिला तथा जिलाधिकारी को ज्ञापन देते हुए भारतीय पथ विक्रेता संघ के प्रति मंडल ने अपनी मांग रखी जिसमें संघ ने हुकूलगंज वेंडिंग जोन में बिजली, पानी, शौचालय, बनवाने एवं काशीराम आवास फेस नंबर 1 इंद्रपुर शिवपुर में वेंडिंग जोन बनाने की बात कही भारतीय पथ विक्रेता संघ ने आगामी जी 20 सम्मेलन में पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी जिलाधिकारी वाराणसी को दिया जिलाधिकारी को ज्ञापन देने वालों में आशीष कुमार गुप्ता, बांकेलाल, रोशन अग्रहरि, लक्खू सोनकर, गुड्डू चौहान, मंगल सिंह, संतोष गुप्ता, शशि भूषण, सीमा पांडे, सूरज पांडे, शिव जी चौरसिया, पलटन राम, दशमी प्रसाद,शिव कुमार जायसवाल, सुरेश कुमार, सुनील कुमार केसरी, गणेश चौरसिया, रमेश राजभर,सुन सुन पासवान,पप्पू सोनकर,राजकुमार केशरी, राहुल राजभर,चन्द्रमा राजभर, चौरसिया सहित सैकड़ों पथ विक्रेता गण उपस्थित रहे।

### पवित्र पर्व नवरात्र व पवित्र माह रमजान प्रारम्भ लेकिन सरकार द्वारा साफ सफाई मुकम्मल न होना निंदनीय - अशोक सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 22 मार्च को हिन्दूओं का पवित्र पर्व नवरात्रि प्रारम्भ हों गया तो वहीं 23 मार्च को मुस्लिम भाइयों का पवित्र महीना रमजान प्रारम्भ हो जायेगा लेकिन न तो किसी भी वार्ड की गलियों में साफ सफाई मुकम्मल हुई और न गांव के रास्तों व गांव अंदर की सड़कों पर ही झाड़ू लगा है यहां तक कि मंदिर व मस्जिद के अगल बगल भी साफ सफाई नहीं की गई है जो निंदनीय है और चिंता का विषय भी है उपरोक्त कथन उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी विधि विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक कुमार सिंह एडवोकेट ने कहीं प्रदेश उपाध्यक्ष जी आगे कहा कि वैसे तो प्रत्येक एरिया में चाहे शहर हो या गांव कई सफाई कर्मचारीयों की नियुक्तियां की गई है लेकिन गांव में एक भी सफाई कर्मचारी दिखाई नहीं पड़ते केवल मानिंद लोगो के घर के आस पास दिखाई पड़ते हैं यह भी एक सोचनीय विषय है उपाध्यक्ष जी ने आगे कहा कि प्रशासन द्वारा कड़ाई से सफाई कर्मचारी से मंदिर व मस्जिद के अगल बगल व बस्ती के अगल बगल गांव की गलियों में अविलंब सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाय।

### अनियंत्रित होकर बाइक खाई में गिरी, एक मौत दो घायल

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत तहसील अंतर्गत वाराणसी आजमगढ़ राजमार्ग के कनौरा कुशहा गांव के समीप गुरुवार की सुबह लगभग आठ बजे कुत्ते को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर खाई में गिरी बाइक चालक की हुई मौत।सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुटी। गौरतलब हों कि संतोष कसौधन अपने पुत्र आलोक कसौधन व भतीजे निखिल कसौधन के साथ एक बाइक पर बैठकर बिंद्राबाजार अपनी बहन के घर से अपने घर वापस लौट रहे थे जैसे ही कनौरा कुशहा गांव के समीप पहुंचे कि पहले से ही रोड़ के किनारे बैठे कुत्ते ने बाइक की तेज आवाज सुन हड़बड़ाहट ने उठ बाइक के सामने आ गया जिससे बाइक अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई।दुर्घटना में दो लोगो को हल्की चोटे आई और बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया सूचना पर पहुंची बजरंगनगर चौकी प्रभारी विजय शंकर सिंह घायल के उपचार हेतु सामुदायिक केन्द्र केराकत भेजा। मिली जानकारी के अनुसार बाइक चालक निखिल पुत्र सुरेश कसौधन 20 वर्ष उपचार हेतु जाते समय रास्ते में ही दम तोड दिया।मृतक व दोनो घायल केराकत के रहने वाले बताये जा रहे है। मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम का माहौल छा गया।

### जिला पंचायत सदस्य ने क्षतिग्रस्त सड़क के निर्माण के लिए मुख्य विकास अधिकारी को लिखा पत्र

प्रखर केराकत जौनपुर। केराकत क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य वंदना सरोज ने मुख्य विकास अधिकारी (मा० सदस्य जिला पंचायत योजना समिति) को पत्र लिख कर सरकी चौराहे से नरहन (पुरानी रामलीला) स्टेज तक कि क्षतिग्रस्त सड़क के निर्माण के विषय मे अवगत कराते हुए कहा कि जनहित में इस सड़क के निर्माण की आवश्यकता इस लिए है कि इस मार्ग से प्रतिदिन 2 से 3 हजार राहगीर परेशानियों का सामना करते हुए सफर करतें हैं।बता दे कि बंदना सरोज द्वारा क्षेत्र में आये दिन विकास कार्य देखने को मिलता है क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट, रोड व सेनापुर शहीद परिसर में रात के अंधेरे में फहर रहे राष्ट्रीय ध्वज के लिए हाई मास्ट लाइट लगवाया जा रहा है जिसको लेकर जिला पंचायत सदस्य की हर तरफ तारीफ किया जा रहा है।जिलापंचायत सदस्य प्रतिनिधि डॉ पप्पू सरोज ने बताया की क्षेत्र की जनता ने हमे अपना अमूल्य वोट देकर अपना प्रतिनिधि बनाया है जिसको देखते हुए क्षेत्र में जनहित के कार्य किए जा रहे हैं और आगे भी किया जायेगा

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं